www.divybharath.com
राष्ट्रीय समाचार पत्र
RNI NO. DELHIN/2009/28518

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य भारत

वर्षः 17 | अंकः 179 | नई दिल्ली , मंगलवार , 15 जुलाई , 2025 | पृष्ठः संख्या 8 | मूल्यः 1.00 रुपये

दिल्ली सरकार पर्यटन एवं विरासत. पृष्ठ 2
रियासी के उपायुक्त ने शिव खोरी .. पृष्ठ 5
प्राकृतिक आपदा से जूझते हिमाचल और... पृष्ठ 4
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पृष्ठ 7

सीएम ने हरित ऊर्जा परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता दोहराई

नर्मदापुरम में 3.0 गीगावॉट सोलर सेल यूनिट की तैयारी, मप्र बनेगा एविएशन और लॉजिस्टिक हब

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्रियू एनर्जी के सीईओ विनय ठडानी ने की मुलाकात, सोलर सेल यूनिट में 700 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

भोपाल / (एजेंसी)

दुबई यात्रा के दूसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्रियू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं निदेशक विनय ठडानी और प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। बैठक में नर्मदापुरम जिले में प्रस्तावित 3.0 गीगावॉट क्षमता की सोलर सेल परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुकूल औद्योगिक सहायता पर विस्तार से चर्चा हुई। यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश की भागीदारी को सशक्त करेगी, बल्कि इससे 700 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावनाएं भी हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में हरित ऊर्जा परियोजनाओं को आवश्यक प्रोत्साहन देने और उद्योगों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह परियोजना राज्य के पर्यावरणीय लक्ष्यों को मजबूती देने के साथ-साथ स्थानीय आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करेगी। बैठक में यह भी स्पष्ट हुआ कि मप्र सतत ऊर्जा नवाचार का एक उभरता हुआ केंद्र बनता जा रहा है।

एयर एंबुलेंस फ्लाइट सेक्टर में अच्छी संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक के बाद दुबई में मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि आज सुबह से निवेशकों और उद्योगपतियों के साथ अलग-अलग चर्चाओं का दौर शुरू हुआ है। सबसे पहले हमारे महावाणिज्यदूत और एंबेसी के लोगों के साथ विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस फ्लाइट सेक्टर में अच्छी संभावनाएं हैं। मप्र एविएशन में जो काम कर रहा है, दुबई उसमें सहयोग करने के लिए तैयार है। हमारी सरकार विदेश में कैसे आसानी से व्यापार करे, सरकार किन-किन क्षेत्रों में व्यापार कर सकती है, उस पर गहन विचार-विमर्श हुआ। मप्र में खदानें भी हैं, उद्योग भी हैं, फूड पार्क भी हैं। निवेशकों से अलग-अलग सेक्टर को लेकर चर्चा की। वन-टू-वन बैठक में भी निवेशकों से सकारात्मक बात की है। बैठकों के दौरान वेलनेस, हेल्थ, एनर्जी, सर्विस सेक्टर में अच्छे सुझाव मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई के निवेशकों ने मप्र में गोल्ड एवं डायमंड माइनिंग सहित कई सेक्टर में निवेश करने की रुचि दिखाई।

भारतीय दूतावास स्तर पर स्थाई संपर्क तंत्र विकसित करने पर सहमति

मुख्यमंत्री दुबई दौरे के दूसरे दिन की शुरुआत भारतीय कॉउन्सल जनरल सतीश कुमार सिवन द्वारा आयोजित ब्रेकफास्ट ब्रीफिंग से हुई। बैठक में भारतीय दूतावास स्तर पर एक स्थाई संपर्क तंत्र विकासित किए जाने पर सहमति बनी, जिससे मप्र और यूएई के बीच संस्थागत संवाद की निरंतरता बनी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र की छवि ब्रांड इंडिया के अंतर्गत वैश्विक स्तर पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने में भारतीय मिशन की निर्णायक भूमिका हो सकती है। ताज बिजनेस बे स्थित बॉम्बे ब्रैसरी में इस मुलाकात में मुख्यमंत्री को यूएई में भारत की विभिन्न गतिविधियों और संभावित सहयोग क्षेत्रों की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान जिन विषयों पर प्रमुखता से चर्चा हुई, उनमें मप्र प्रवासी व्यवसायियों को निवेश के लिए प्रेरित करने के विशेष प्रयास, दुबई-मप्र के बीच सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की संभावनाएं और दुबई में एमपी डे आयोजित करने के लिए भारतीय मिशन की भागीदारी जैसे अहम विषय शामिल रहे।

भोपाल - इंदौर से दुबई के लिए सीधी विमान सेवा पर चर्चा

मुख्यमंत्री ने दुबई यात्रा के दौरान एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के चेयरमैन शेख अहमद बिन सईद अल मकतूम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक मप्र और यूएई के बीच उड्डयन संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हुई। बैठक में मुख्य रूप से इंदौर और भोपाल शहरों से दुबई के लिए सीधी विमान सेवाएं शुरू करने पर चर्चा हुई। मध्य भारत में एक क्षेत्रीय कार्गो हब स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। एविएशन ट्रेनिंग और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) इन्फ्रास्ट्रक्चर में संयुक्त निवेश एवं प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना को लेकर भी सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश में इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा देने और एमिरेट्स एविएशन अकादमी के कैंपस की स्थापना की संभावना पर भी गंभीर चर्चा की हुई। मप्र को भारत का एक प्रमुख एविएशन और लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास में नई उड़ान भरेगा।

प्रधानमंत्री के समक्ष पुष्कर सिंह धामी ने प्रस्तुत किया विकास का रूट मैप

देहरादून, (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उत्तराखण्ड के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास में सहयोग के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखण्ड विकसित भारत 2047 के विजन में प्रभावी भूमिका निभाने को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के 27

देशों द्वारा प्रधानमंत्री को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किए जाने से सभी भारतवासी गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को कार्तिक स्वामी मंदिर के प्रतिरूप और आदि कैलाश यात्रा पर कॉफीटेबिल बुक के साथ ही उत्तराखण्ड के उत्पाद कनार (धारचूला) का घी, लाल चावल पुरोला, बासमती चावल, काला जीरा, गंध रैण, जम्बू और स्थानीय शहद भेंट किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम की भांति ही हरिद्वार गंगा कॉरिडोर, ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर और चम्पावत में शारदा कॉरिडोर के मास्टर प्लान के अनुरूप अवस्थापना विकास के लिए सीएसआर के माध्यम से वित्त पोषण के लिए संबंधित को निर्देशित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के ऊधमसिंहनगर स्थित नेपा फार्म को सेमी कन्डक्टर हब के रूप में विकसित करने लिए सेमी कन्डक्टर उद्योग लगाए जाने, दिल्ली व मेरठ के मध्य रीजनल रैपिड ट्रान्जिट सिस्टम को हरिद्वार तक विस्तारित करने और टनकपुर-बागेश्वर व ऋषिकेश - उत्तरकाशी रेल परियोजनाओं में मार्ग निर्माण का प्रावधान भी शामिल किये जाने के लिए संबंधित मंत्रालयों को निर्देशित किये जाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखण्ड में वर्ष 2026 में होने जा रही नंदा राजजात यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि इसके संचालन के लिए व्यापक रूप से पर्यावरण अनुकूल अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जानी हैं।

संक्षिप्त समाचार

गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी

अमृतसर, (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी सोमवार को ईमेल के जरिए आई। इसके बाद गोल्डन टेंपल के अंदर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की टास्क फोर्स और बाहर पुलिस तैनात की गई है। एसजीपीसी के मेंबर कुलवंत सिंह मनन ने बताया कि ईमेल में गोल्डन टेंपल को सोमवार को मेल आई। इसमें आरडीएक्स से उड़ाने की बात लिखी थी। उसमें समय भी लिखा था और सतर्क रहने को कहा गया है। ऐसा लगा रहा है जैसे डर का माहौल पैदा करने के लिए ऐसा किया गया है। मनन ने बताया कि धमकी के बाद गोल्डन टेंपल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। टास्क फोर्स को स्पेशल हिदायत दी गई है कि संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोक जा सके।

CJI गवई अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई को दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हालिया तेलंगाना दौरे के कारण वो संक्रमण के शिकार हो गए थे। अभी उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों ने बताया कि एक-दो दिन में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। उनकी तबीयत अब बेहतर है। अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि उन्हें किस तरह का संक्रमण हुआ है, लेकिन इलाज का असर हो रहा है और वह ठीक हो रहे हैं। सीजेआई गवई 12 जुलाई को हैदराबाद गए थे।

मुंबई में ट्रक ने अकासा प्लेन को मारी टक्कर

मुम्बई, (एजेंसी) मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को एक मालवाहक ट्रक ने अकासा एयर के विमान को टक्कर मार दी, जिसके बाद विमान की जांच की गई। जब यह घटना हुई तब ट्रक को थर्ड पार्टी हैंडलर चला रहा था। एयरलाइन ने कहा कि उन्होंने घटना की जांच शुरू कर दी है। विमान को कितना नुकसान हुआ, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। हालांकि प्लेन की टेल का एक विंग ट्रक में घुसा हुआ नजर आ रहा है। हालांकि, इस घटना में यात्रियों या कर्मचारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कर्नाटक में विभिन्न परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

शिवमोग्गा, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को शिवमोग्गा के सागर टाउन में 9 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनकी लागत 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने देश का दूसरा सबसे लंबा केबल ब्रिज भी आधिकारिक रूप से राष्ट्र को समर्पित किया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए बताया कि पुल का नाम सिगंदूर चौडेश्वरी सेतु रखा गया है। उन्होंने कहा, ₹इस पुल के लिए भूमि पूजन मैंने ही किया था और आज इसका उद्घाटन भी मेरे हाथों से हो रहा है यह मेरा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शुरू की हैं। बेंगलुरु-चेन्नई और शिवमोग्गा-तुमकुर के बीच सड़क परियोजनाएं प्रगति पर हैं। हुब्बल्ली-

धारवाड़ हाई-वे का कार्य जल्द ही पूरा होगा। साथ ही 1300 करोड़ रुपये की लागत से हासन से रायचूर को जोड़ने वाली चार लेन की सड़क को भी मंजूरी दी गई है, जिससे यात्रा समय आधा हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-367 के 47 किलोमीटर लंबे बीदर-हुमनाबाद खंड के चौड़ीकरण से कलबुर्गी और बीदर जिलों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-75 के शिराडी घाट खंड पर किए जा रहे जीर्णोद्धार कार्यों से मानसून के मौसम में, विशेष रूप से महत्वपूर्ण मंगलुरु-बेंगलुरु कॉरिडोर पर, सुरक्षित और निर्बाध यातायात सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

शाहाबाद में एक रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और राष्ट्रीय राजमार्ग-50 पर कगीना नदी पर एक पुल के निर्माण से कलबुर्गी और रायचूर के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा। इसके अलावा, बेंगलुरु-मैसूरु एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे पर सड़क सुरक्षा में सुधार से कर्नाटक और केरल के बीच तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल यात्रा संभव होगी, साथ ही यात्रा के समय और ईंधन की खपत में भी कमी आएगी।

मंत्री नितिन गडकरी ने सागर तालुक के शरावती नदी के बैकवाटर क्षेत्र में निर्मित जिस केबल ब्रिज का उद्घाटन किया, उसे देश का दूसरा सबसे लंबा केबल ब्रिज होने का गौरव प्राप्त हुआ है। यह पुल 2.44 किलोमीटर लंबा और 16 मीटर चौड़ा है, जिसमें पैदल यात्रियों के लिए अलग फुटपाथ भी बनाया गया है। इसका निर्माण 473 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। पुल में 470 मीटर लंबे स्टील केबल्स का उपयोग किया गया है, जो अधिकतम 100 टन भार सहन कर सकते हैं।

सभी बोइंग विमानों के फ्यूल स्विच जांचें जाएंगे

प्लेन क्रैश पर आई रिपोर्ट के बाद फैसला

बोइंग का दावा- सिस्टम एकदम सही

वॉशिंगटन / (एजेंसी)

भारत में रजिस्टर्ड सभी बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच होगी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयरलाइंस को सोमवार को आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि जांच 21 जुलाई तक पूरी कर ली जाए। डीजीसीए ने बोइंग के सभी एयरलाइन ऑपरेटरों को सलाह दी है कि वे जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सौंपें। यह फैसला अहमदाबाद प्लेन क्रैश केस की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) रिपोर्ट के बाद लिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के दौरान फ्यूल कंट्रोल स्विच, रन से कटऑफ और फिर वापस रन में बदल जाने के कारण इंजनों को ईंधन मिलना बंद हो गया था।

दोनों पायलट की मेडिकल स्थिति सामान्य थी

एअर इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर कैंपबेल विल्सन ने कहा कि दोनों पायलटों ने ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट पास किया था और उनकी मेडिकल स्थिति सामान्य थी। प्राइमरी रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि प्लेन और इंजन में कोई टेक्निकल या मेंटेनेंस से जुड़ी खराबी नहीं थी। विल्सन ने कहा- प्लेन के सभी जरूरी मेंटेनेंस कार्य समय से किए गए थे। ईंधन की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं थी और टेक-ऑफ रोल सामान्य था। उन्होंने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में ये बात लिखी है।

खबरदार कैंटीन में तेल और शक्कर के चेतावनी बोर्ड लगाने होंगे, इस पर शुगर-कैलोरी की जानकारी होगी

अब समोसा और जलेबी जैसे स्नैक्स पर भी मिलेगा हेल्थ अलर्ट

नई दिल्ली / (एजेंसी)

अब जलेबी की मिठास और समोसे की चटपटाहट के साथ सेहत की चेतावनी भी आएगी। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश भर के केंद्रीय संस्थानों को तेल और शक्कर बोर्ड लगाने का आदेश दिया है।

यानी अब वेंडर्स को बताना होगा कि जो नास्ता वो परोस रहे हैं उसका स्वास्थ्य पर कितना बुरा प्रभाव पड़ता है या फिर उसमें कितनी चीनी या कोई और पदार्थ है। ये कदम जंक फूड को सिगरेट की तरह खतरनाक बताने की शुरुआत है। जल्द ही लड्डू, वड़ा पाव और पकौड़े जैसे लजीज नाश्तों के पीछे चेतावनी के बोर्ड नजर आएंगे, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगे। मिसाल के तौर पर, अगर आपको पता चले कि एक समोसे में कितना तेल हैं, तो क्या आप दूसरा खाने से पहले दो बार नहीं सोचेंगे? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एम्स नागपुर ने इस आदेश की पुष्टि की है। जल्द ही वहां की कैंटीन और सार्वजनिक जगहों पर ये वॉर्निंग बोर्ड लग जाएंगे।

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के नागपुर चैप्टर के अध्यक्ष अमर अमाले ने कहा, ये खाने की लेबलिंग को सिगरेट की चेतावनियों जितना गंभीर बनाने का पहला कदम है। चीनी और ट्रांस फैट अब नए तंबाकू हैं।

सरकार ऐसा क्यों कर रही है...

भारत में मोटापे की बीमारी तेजी से पांव पसार रही है। एक अनुमान के मुताबिक, 2050 तक 44.9 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। इसके बाद भारत इस मामले में सिर्फ अमेरिका से पीछे रहेगा। अभी ही शहरी इलाकों में हर पांचवां बड़ा इंसान मोटापे से जूझ रहा है। बच्चों में मोटापा भी खराब खान-पान और कम शारीरिक गतिविधि की वजह से बढ़ रहा है। ये आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय का ये कदम खाने-पीने की आदतों पर नजर रखने की कोशिश है। ये बोर्ड न सिर्फ चेतावनी देंगे, बल्कि लोगों को अपनी सेहत के बारे में सोचने का मौका भी देंगे।

ये नियम कहां कहां लागू होंगे

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी केंद्रीय संस्थानों, जैसे एम्स नागपुर, को इन बोर्ड्स को लगाने का आदेश दिया है। ये बोर्ड कैंटीन, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई देंगे। दिल्ली में भी जंक फूड पर सिगरेट जैसी चेतावनी लगाने की तैयारी है। एम्स नागपुर जैसे संस्थानों ने इस निर्देश को लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। जल्द ही कैफे और सार्वजनिक जगहों पर ये बोर्ड दिखने लगेंगे। हालांकि, सटीक तारीख की जानकारी अभी नहीं दी गई है।

पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग निजता का उल्लंघन नहीं

सुप्रीम कोर्ट बोला- तलाक मामले में सबूत के तौर पर हो सकती है पेश

नई दिल्ली / (एजेंसी)

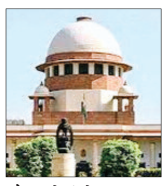

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता।

इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं।

दिल्ली सरकार पर्यटन एवं विरासत फेलोशिप कार्यक्रम शुरू कर रही है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के प्रचार-प्रसार और संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार पर्यटन एवं विरासत फेलोशिप कार्यक्रम शुरू कर रही है। उन्होंने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 40 युवाओं को फेलोशिप के लिए चुना जाएगा और उन्हें हर महीने 50 हजार रुपये भी मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की यह पहल आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप है, जो देश की आंतरिक क्षमताओं और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देती है और बाहरी सलाहकारों पर निर्भरता कम करती है। यह फेलोशिप उन युवाओं के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करेगी जो सरकारी परियोजनाओं से सीधे जुड़कर दिल्ली को एक जीवंत, समावेशी और

विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में योगदान देना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह कार्यक्रम दिल्ली पर्यटन व परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी)) द्वारा चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं, शोधकर्ताओं और पर्यटन क्षेत्र में रुचि रखने वाले पेशेवरों को दिल्ली की समृद्ध विरासत से जोड़ना और पर्यटन के क्षेत्र में संस्थागत क्षमता को मजबूत करना है। ये युवा विरासत भ्रमण, मार्गदर्शित पर्यटन यात्राएं, डिजिटल व प्रचार सामग्री निर्माण, पर्यटन प्रचार, कार्यक्रम प्रबंधन, दिल्ली हाट, गार्डन ऑफ फाइव सेंसिस, पर्यटन सूचना केंद्रों का संचालन, फिल्म शूटिंग समन्वय और एमआईसीई बैठके, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां जैसी गतिविधियों में योगदान देंगे।

इस कार्यक्रम के तहत चयनित युवाओं को हर महीने 50,000 रुपये का वजीफा दिया जाएगा और एक वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर प्रमाणपत्र भी मिलेगा। इस प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाले युवा आवेदक की उम्र 35 वर्ष से कम होनी चाहिए। इसके अलावा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक डिग्री या समकक्ष होगी। वैसे पर्यटन में डिग्री/स्नातकोत्तर को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदक को पर्यटन या संबंधित क्षेत्र में कम से कम एक वर्ष का औपचारिक अनुभव होना चाहिए।

पुलिस ने नकली नोटों से 40 लाख की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण जिला की स्पेशल स्टाफ ने एक बड़े ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया किया है। आरोपित लोगों को नकदी के बदले बैंक में जमा पैसे एक्सचेंज करने का झांसा देकर लाखों की ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान निखिल, प्रिंसपाल, परवेज और असगर खान उर्फ अख्तर खान उर्फ बंटी के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1.25 करोड़ रुपये की डमी करेंसी (जिन पर मनोरंजन बैंग लिखा था। एक कैश काउंटिंग मशीन, 7.5 लाख नकद, 4.50 लाख बैंक में फ्रीज राशि और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। दक्षिणी जिले के डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार छह जुलाई को एक व्यक्ति ने सीआर पार्क में शिकायत दी कि वह एक प्रॉपर्टी खरीदना चाहता था और इसके लिए अपने परिचितों से पैसे जुटाए थे। चार जुलाई को उसकी मुलाकात कुछ लोगों से हुई जिन्होंने खुद को बैंक में जमा धनराशि को नकद में बदलने वाले बताए। एक फ्लैट में उसे बुलाकर नकदी दिखाकर विश्वास में लिया और उससे 40 लाख रुपये अपने खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। बदले में उसे एक बैग में नकदी दी गई जो कैश काउंटिंग मशीन में गिनी भी गई थी। लेकिन जब उसने बैग खोला तो उसमें केवल ₹मनोरंजन बैंक के नकली नोट थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल स्टाफ की टीम का गठन किया गया। इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र की देखरेख में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, व्हाट्सएप कॉल डिटेल्स, बैंक ट्रांजेक्शन की गहराई से विश्लेषण किया गया। नौ जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सैदुलाजाब स्थित एक फ्लैट से तीन आरोपित निखिल, प्रिंस पाल और परवेज को गिरफ्तार किया गया। अगले दिन असगर खान को भी उसी फ्लैट से दबोचा गया।मुख्य आरोपित असगर खान ने बताया कि उसे यह ठगी का तरीका एक नसीम नामक व्यक्ति ने सिखाया था। गिरोह का हर सदस्य एक निश्चित भूमिका निभाता था। क्लाइंट को लाइनर के माध्यम से लाया जाता, फ्लैट किराए पर लिया जाता और नकली नोटों की साजिश वहां रची जाती।

सरकार के लिए पीएसी और सीएजी अलार्म का काम करती है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। सरकार के लिए लोक लेखा समिति (पीएसी) और भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) एक अलार्म की तरह काम करती हैं, जिनका उद्देश्य सरकार को कार्रवाई के लिए प्रेरित करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

यह बात सोमवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मेघालय विधानसभा की लोक लेखा समिति के सदस्यों से मुलाकात के दौरान विधानसभा परिसर में कही। यह प्रतिनिधिमंडल 12 से 14 जुलाई तक हैदराबाद, विशाखापत्तनम और दिल्ली के अध्ययन दौरे पर है। अध्यक्ष ने सोमवार को सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अंतर-विधायी संवाद और ज्ञान साझाकरण के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

प्रतिनिधिमंडल में लोक लेखा समिति के अध्यक्ष चार्ल्स पायंगरॉप, लाहकमें रिंबुई, गेविन मिगुएल मायलियेम, रूपर्ट मोमिन, रूपा एम मारक, सेंगचिम एन संगमा, जिमी डी संगमा, इयान बोथम के संगमा एवं बालाजिएद कूपर सिनरेम शामिल रहे। इस दौरे का उद्देश्य अन्य राज्य विधानमंडलों के साथ विचारों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है। दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और लोक लेखा समिति के सभापति अजय महावर भी बैठक में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर गुप्ता ने मेघालय की जनसांख्यिकी और लोक लेखा समिति की संरचना के बारे में जानकारी ली। इस पर चार्ल्स पायंगरॉप ने बताया कि मेघालय एक मातृसत्तात्मक राज्य है, जहां मुख्य रूप से खासी, जयंतिया और गारो जनजातियां निवास करती हैं। यह राज्य संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत आंशिक रूप से स्वायत्त जिला परिषदों द्वारा शासित होता है, जो जनजातीय हितों की रक्षा करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लोक लेखा समिति में अध्यक्ष सहित कुल दस सदस्य हैं, और आम तौर पर संतुलित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष विपक्ष से होता है।

संक्षिप्त समाचार

तुर्कमान गेट इलाके में घर से मिला युवक का शव

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। मध्य जिला के कमला मार्केट स्थित तुर्कमान गेट इलाके में रविवार रात एक युवक की लाश मिली। स्थानीय लोगों ने घर से दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़ा तो अंदर युवक की सड़ी-गली लाश बरामद हुई। जांच में मृतक की पहचान इमरान (34) के रूप में हुई है। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुलाया गया। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। बाद में शव को कब्जे में लेकर एलएनजेपी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजहों का पता चल पाएगा। पुलिस के मुताबिक इमरान परिवार के साथ मोमग्रान, मोहल्ला कब्रिस्तान, तुर्कमान गेट इलाके में रहता था। इसके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। इमरान एक बड़े मीडिया हाउस में प्रोमोशन की नौकरी करता था। तीन दिन पहले इसकी पत्नी पुरानी दिल्ली स्थित अपने मायके गई थी। इसके बाद से लोगों ने उसे नहीं देखा था। रविवार रात को पड़ोसियों ने इमरान के घर से तेज दुर्गंध आने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

लूटे गए मोबाइल को भेजते थे बांग्लादेश, छह गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। पूर्वी जिला के एंटी नारकोटिक्स स्क्वायड ने अंतरराज्जीय गिरोह के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से कुल 27 मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल स्कूटी, वारदात के समय पहने कपड़े और झपटमार की पत्नी के बैंक खाते के कागजात बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सलमान (37), शफी अहमद उर्फ टीपू (33), भूपेंद्र (34), गुलबहार (37), मोहम्मद रहमान शेख (35) और अमीरुल कयूस (36) के रूप में हुई है। दिल्ली-एनसीआर से लूटे गए मोबाइल फोन को बदमाश कूरियर के जरिए पश्चिम बंगाल भेज देते थे। बाद में गैंग के बाकी सदस्य उनको बांग्लादेश भेज देते थे। पुलिस ने गिरोह की गिरफ्तारी से फिलहाल मोबाइल लूटने के 9 मामले सुलझा लेने का दावा किया है। गुलबहार सलमान की पत्नी है। लूटे गए मोबाइल के पैसे गुलबहार के बैंक खाते में आते थे। पूर्वी जिला जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि 25 जून को बदमाशों ने पटपड़गंज, मंडावली और प्रीत विहार इलाके में तीन मोबाइल फोन झपटे थे। वारदात में एक ही गिरोह का हाथ था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। छानबीन के दौरान पुलिस ने 400 सीसीटीवी कैमरों की खंगाले। जांच के बाद आरोपित की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। राजधानी दिल्ली में सोमवार सुबह तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें दो सीआरपीएफ स्कूल और एक नेवी चिल्ड्रन स्कूल शामिल हैं। खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस, बम स्क्वॉड और दमकल विभाग के कर्मियोंने मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन अभियान चलाया। लेकिन तलाशी के दौरान किसी भी स्कूल में कोई विस्फोटक नहीं मिला।

उसके बाद पुलिस ने सूचना को फर्जी करार दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये धमकियां सोमवार तड़के ईमेल के जरिए सेक्टर-16, द्वारका और प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूलों और चाणक्यपुरी स्थित नेवी चिल्ड्रन स्कूल को भेजी गईं। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने सभी मेल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मेल भेजने वाले के आईपी एड्रेस का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार पहली कॉल आठ बजे प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल से मिली। दूसरी कॉल 8.14 बजे चाणक्यपुरी स्थित नेवी चिल्ड्रन स्कूल से मिली और तीसरी कॉल 8.24 बजे द्वारका स्थित सीआरपीएफस्कूल से मिली।

दिल्ली सरकार ने 65 से ज्यादा ग्रीन कैटेगरी इंडस्ट्रीज को दी राहत, डीपीसीसी से मिलने वाली स्वीकृत देरी को किया खत्म

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने 65 से ज्यादा ग्रीन कैटेगरी इंडस्ट्रीज को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) से मिलने वाली स्वीकृत में होने वाली देरी को खत्म कर दिया है।

उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए अगस्त से ग्रीन कैटेगरी इंडस्ट्रीज को कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) देने की समय-सीमा 120 दिन से घटाकर 20 दिन करने की घोषणा की।

नए सिस्टम के तहत अगर आवेदन 20 दिन के भीतर स्वीकृत नहीं होता, तो उसे स्वीकृत माना जाएगा।

मंत्री ने कहा कि यह दिल्ली के व्यापारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी और आज डबल इंजन सरकार ने वो कर दिखाया जो 50 सालों में नहीं हुआ।

यह सिर्फ रिफॉर्म नहीं, बल्कि दिल्ली की उद्योग नीति में एक ऐतिहासिक बदलाव है। उन्होंने कहा कि यह सुधार 65 से अधिक ग्रीन कैटेगरी इंडस्ट्रीज को सीधा फायदा देगा, जिसमें रेडीमेड गारमेंट्स (बिना डाई या ब्लीचिंग के), ऐलुमिनियम और पीवीसी यूनिट्स, बॉयलर के बिना आयुर्वेदिक दवाइयां, कोल्ड स्टोरेज, लकड़ी और स्टील के फर्नीचर, इलेक्ट्रिक ओवन वाली कन्फेक्शनरी यूनिट्स, ऑप्टिकल प्रोडक्ट्स, खिलौने, साबुन और डिटर्जेंट, बैटरी कंटेनर, कार्डबोर्ड और पैकेजिंग मैन्युफैक्चरिंग आदि शामिल है।

केरल नगर पालिका के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली के महापौर से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों की ली जानकारी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने सोमवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय सिविक सेंटर में केरल के रामनाथुकारा नगर पालिका के 31 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात का उद्देश्य एमसीडी द्वारा अपनाई गई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों की जानकारी प्राप्त करना था। बैठक के दौरान महापौर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम की नागरिक सेवाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विशेष रूप से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी रणनीतियों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दिल्ली जैसे विशाल और सघन आबादी वाले नगर क्षेत्र में एमसीडी नवाचार, कार्यकुशलता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से श्रेष्ठ नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए

प्रतिबद्ध है। एमसीडी अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को निगम की व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन रणनीति के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 11,500 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है। जिसमें से लगभग 8,000 मीट्रिक टन का निपटान अपशिष्ट-से-ऊर्जा, कम्पोस्टिंग तथा अन्य वैज्ञानिक विधियों से किया जाता है। शेष 3,500 मीट्रिक टन के निपटान हेतु निगम द्वारा नई, तेज और टिकाऊ तकनीकों को अपनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल को कचरा उत्पत्ति से लेकर उसके प्राथमिक एवं द्वितीयक पृथक्करण, परिवहन और अंतिम निपटान की प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने ओखला वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा कर निगम की अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। रामनाथुकारा नगर पालिका के प्रतिनिधिमंडल ने एमसीडी द्वारा साझा की गई विस्तृत जानकारी की सराहना की और कहा कि वे इन सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनी नगर पालिका में अपनाकर शहरी शासन को सुदृढ़ बनाने और सेवा वितरण को बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

एमसीडी दिल्ली में 7 लाख से अधिक पौधे लगाएगी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को ग्रीन एक्शन प्लान के तहत पौधारोपण अभियान की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और हरित राजधानी के संकल्प के साथ इस साल दिल्ली में 7 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने एक बयान में बताया कि ग्रीन एक्शन प्लान के तहत वर्ष भर में कुल 7,03,298 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें 3 लाख पेड़, 4 लाख झाड़ियां और 3,298 बांस के पौधे शामिल हैं। इस अभियान को मानसून सीजन में गति दी गई है।

उन्होंने बताया की अब तक दिल्ली के विभिन्न 12 जोनों में 66,242 पौधे रोपे जा चुके हैं। जिनमें 21,493 पेड़, 41,918 झाड़ियां और 2,831 बांस के पौधे हैं। सत्या शर्मा ने कहा कि नगर निगम के उद्यान विभाग ने बारिश के मौसम में अभियान को युद्ध स्तर पर शुरू किया है। यह अभियान दिल्ली की हवा को साफ करने, तापमान में कमी लाने और जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शर्मा ने बताया की ग्रीन एक्शन प्लान को लेकर उद्यान विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक भी की गई है। बैठक में इस वर्ष निर्धारित पौधारोपण लक्ष्य की पूर्ति, उपयुक्त स्थलों का चयन, पौधों की देखरेख और उनके संरक्षण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए की इन पौधों को चरणबद्ध और सुनियोजित तरीके से दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में लगाया जाएगा।

सत्या शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्लीवासियों से अपील है कि वे अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। यह पर्यावरण सेवा के साथ-साथ मातृ भक्ति का प्रतीक बन सकता है।

उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर दिल्ली को हरा और स्वच्छ बनाना है। सभी दिल्लीवासी इस हरित आंदोलन का हिस्सा बनें। यह सिर्फ पौधा लगाने का काम नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुंदर दिल्ली की नींव रखने जैसा है।

कांवड़ यात्रा सांस्कृतिक संस्कारों की प्रतीक : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का वह पावन संगम है, जो दिल्ली की सड़कों को तीर्थ बना देती है। यह परंपरा हमारे जीवंत सांस्कृतिक संस्कारों की प्रतीक है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि इस यात्रा को सहज, सुलभ, सम्मानजनक और भव्य बनाने का अवसर दिल्ली सरकार को प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने सावन के पहले सोमवार पर सभी शिवभक्तों को मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ की कृपा से हर घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कांवड़ शिविरों की व्यवस्था परखने के लिए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस बार दिल्ली के लोगों में कांवड़ियों के स्वागत का विशेष सेवा भाव है, इसीलिए इस बार शिविर लगाने के लिए 374 आवेदन मिले हैं। इस बार दिल्ली सरकार ने व्यवस्था को पारदर्शी बनाया और एक सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अनुमति प्रक्रिया को सरल और तेज कर दिया। अब किसी संस्था को अलग-अलग एजेंसियों के चक्कर नहीं काटने पड़े और सभी को मात्र 48 से 70 घंटों में अनुमति मिल गई। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि सरकार ने इस वर्ष शिविरों को बिजली आपूर्ति के लिए 1200 यूनिट तक निशुल्क सुविधा दी है। इसके अलावा, टॉयलेट्स की पूरी व्यवस्था सरकार स्वयं कर रही है, जिसमें 24 घंटे तैनात सफाईकर्मी भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे कांवड़ शिविरों में स्वच्छता और सुविधा का नया मानदंड स्थापित होगा। इसके अतिरिक्त शिविरों में स्वास्थ्य टीमें तैनात की गई हैं, जो पास के अस्पतालों से समन्वय बनाकर सेवाएं देंगी।

दैनिक पंचांग

15 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

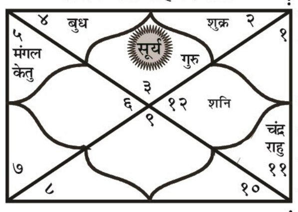

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.34 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.50 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.02 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.27 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.08 बजे से
राहुकाल		मेष	23.38 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	01.18 बजे से
		मिथुन	03.16 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 196 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 22.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 06.27 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 14.12 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.22 बजे तदनन्तर तैतिल 22.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 31'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872406
जूलियन दिन 2460871.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 19
विशेष मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भविष्यफल

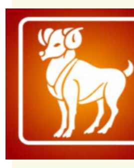

मेष : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

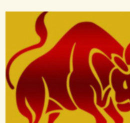

वृष : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-4-6-8

मिथुन : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या : "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु : अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

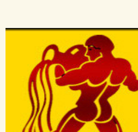

कुंभ : होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

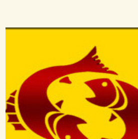

मीन : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मिले भारतीय विदेश मंत्री

जयशंकर बोले-बिना रुकावट व्यापार हमारे ही नहीं, पूरी दुनिया के हित में

एस. जयशंकर की पिछले पांच वर्षों में यह पहली बीजिंग यात्रा है, चीन से लगातार सुधर रहे संबंध

● बीजिंग / (एजेंसी)

2020 में गलवान में हुई हिंसक झड़प के बाद पहली बार विदेश मंत्री एस. जयशंकर चीन के यात्रा पर गए हैं। यहां वह एससीओ सम्मेलन 2025 (शंघाई सहयोग संगठन) में हिस्सा लेने के लिए गए हैं। साथ ही जयशंकर की इस यात्रा का उद्देश्य सीमावर्ती विवादों को शांति और स्थिरता के साथ हल करना, व्यापारिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना। एस. जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने व्यापार, सीमा विवाद से लेकर शांति बहाली जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

बंदिशें न हो: जयशंकर ने कहा है कि दोनों देशों को आपस में व्यापार करने में किसी भी तरह की बंदिशें या पाबंदियां नहीं लगानी चाहिए। इससे दोनों देशों को नुकसान होगा।

लोगों के बीच मिलना-जुलना बढ़ना चाहिए: उन्होंने कहा कि अगर भारत और चीन के आम लोग आपस में मिलते-जुलते रहेंगे, तो इससे सहयोग बढ़ेगा और रिश्ते मजबूत होंगे।

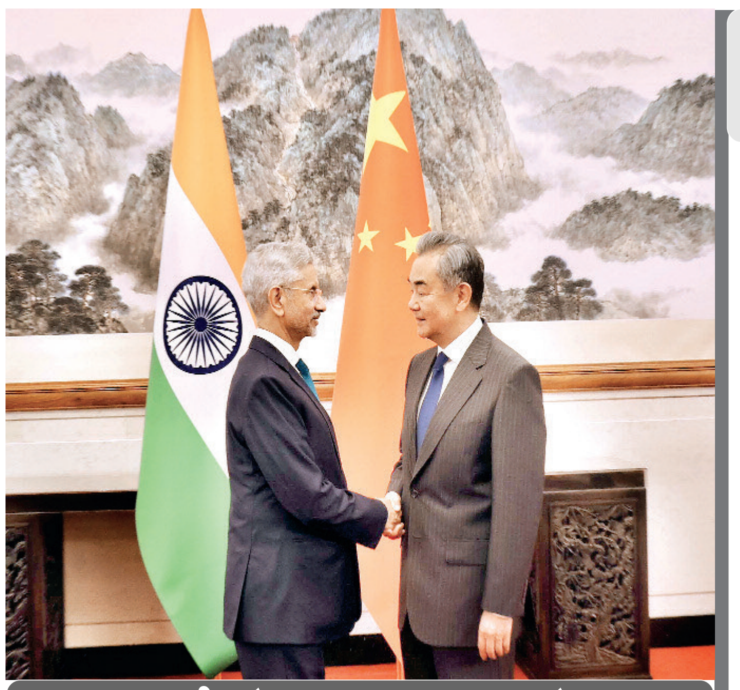

जयशंकर का चीन से संबंध सामान्य बनाए रखने का आग्रह

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों में हालिया सुधार का जिक्र किया। दोनों नेताओं के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में जयशंकर ने कहा, भारत और चीन के संबंध अक्टूबर 2023 में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से लगातार बेहतर हो रहे हैं। वहीं एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन यात्रा पर गए विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में एससीओ के महासचिव नूरलान येरमेकबायेव से मुलाकात की और संगठन के योगदान एवं महत्व के साथ-साथ इसकी कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाने के बारे में चर्चा की।

रिश्तों की नींव -सम्मान और समझ हो विकसित

जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन संबंधों को आपसी सम्मान, साझा हित और एक-दूसरे की संवेदनाओं को समझने के आधार पर संभालना चाहिए।

- **सिर्फ हमारे लिए नहीं, दुनिया के लिए भी जरूरी:** भारत-चीन के बीच अच्छे व स्थिर रिश्ते सिर्फ इन दोनों देशों के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए भी फायदेमंद हैं। पूरी दुनिया भारत व चीन के रिश्ते पर नजरें टिकी हैं।
- **सीमा पर शांति का असर रिश्तों पर दिखा:** सीमा पर हालात शांत और ठीक रहने की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में सुधार हुआ है। दोनों देश अब व्यापार पर ज्यादा साझेदारी कर सकेंगे।
- **पिछले 9 महीनों में अच्छा सुधार:** नौ माह में भारत, चीन के रिश्तों में अच्छा सुधार हुआ है और वार्ता के जरिए रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ा है।
- **कजान मीटिंग के बाद रिश्तों में सुधार:** पिछले साल कजान में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।
- **भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ना होगा:** उन्होंने कहा कि भारत और चीन को अपने रिश्तों को बेहतर करने के लिए दूरदृष्टि (विजन) से काम लेना होगा और आगे की सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने ट्रम्प की पुतिन को चेतावनी, 50 दिन की दी मोहलत

डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस को दी भारी टैरिफ लगाने की धमकी

● वाशिंगटन / (हि.स.)।

रूस-यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है और दोनों ओर से मिसाइल अटैक की खबरें आती ही रहती हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कई बार दोनों देशों में जारी इस जंग को रुकवाने की कोशिश की, लेकिन कोई हल नहीं निकल सका। अब ट्रम्प ने अपने टैरिफ बम से युद्ध को रोकने की तैयारी की है और रूस को बड़ी चेतावनी दे डाली है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस से दो टूक शब्दों में कह दिया है कि यूक्रेन से युद्ध को रोक दे, नहीं तो उस पर भारी भरकम टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने इसके लिए एक टाइमलाइन भी सेट की है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को चेतावनी देते हुए रूस से कहा कि यदि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए डील नहीं हुई, तो फिर उसे तगड़े टैरिफ का सामना करना होगा। राष्ट्रपति ने उसे 50 दिनों के भीतर इस पर अमल करने का टाइम दिया है और इसके बाद रूस और संभवतः उसके व्यापारिक साझेदारों पर बहुत बड़े टैरिफ लगाए जाने की बात कही है।

ट्रम्प ने नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बैठक के दौरान कहा कि अगर 50 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो हम बहुत बड़े और कड़े टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि ये टैरिफ सेकेंडरी टैरिफ होंगे, जो रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों को भी टारगेट करें, जिससे कि मास्को को आर्थिक रूप से अलग-थलग किया जा सके।

100 फीसदी तक टैरिफ की आशंका

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प की रूस को दी गई इस चेतावनी के संबंध में व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प का साफ मतलब है कि अगर 50 दिनों में रूस, यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई समझौता नहीं करता है तो फिर उसके ऊपर अमेरिका 100 फीसदी तक टैरिफ लगा सकता है। यही नहीं रूस से तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर द्वितीयक टैरिफ लगाए जा सकते हैं।

यूक्रेन में जेलेंस्की ने पीएम के लिए बढ़ाया यूलिया का नाम

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने उप प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको को यूक्रेन का अगला पीएम नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया है। इसके साथ उन्हें सरकार के संचालन में महत्वपूर्ण बदलाव का नेतृत्व करने का कार्यभार सौंपा है। यूलिया का बैकग्राउंड अर्थशास्त्र से जुड़ा है और उन्होंने यूक्रेनी सरकार में कई पदों पर काम किया है। वे आर्थिक विकास और व्यापार मंत्री और राष्ट्रपति कार्यालय में उप प्रमुख के तौर पर काम कर चुकी हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा है कि उन्होंने देश की उप-प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको को प्रधानमंत्री बनने के लिए बुलाया है। सोशल मीडिया पोस्ट में जेलेंस्की ने कहा कि हम यूक्रेन में कार्यपालिका में बदलाव की शुरुआत कर रहे हैं। मैंने यूलिया स्विरीडेंको को यूक्रेन की सरकार का नेतृत्व करने और कामकाज को बेहतर बनाने के लिए बुलाया है। मैं आने वाले वक्त में नई सरकार के वर्क प्रोग्राम को पेश करने के लिए उत्सुक हूं।

एसटीएफ ने मुख्तार के शूटर शाहरुख पठान को किया ढेर

● मुजफ्फरनगर / (हि.स.)

यूपी के मुजफ्फरनगर में एसटीएफ ने मुख्तार अंसारी गैंग के शार्प शूटर शाहरुख पठान को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। एसटीएफ को शाहरुख की लोकेशन छपार इलाके में मिली। इसके बाद टीम ने घेराबंदी की। इसी दौरान शाहरुख कार से वहां पहुंचा। एसटीएफ ने कार रुकवाई, तो शाहरुख ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। मेरठ एसटीएफ टीम की जवाबी कार्रवाई में शाहरुख मौके पर ही ढेर हो गया। एनकाउंटर सोमवार तड़के 4 बजे छपार थाना क्षेत्र के रोहाना मार्ग पर हुआ। मुजफ्फरनगर के खालापार के रहने वाले शाहरुख की एक रील सामने आई थी। इसमें वह मुख्तार के बेटे अब्बास के साथ नजर आ रहा था। यह रील कब और कहां की है? यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। शाहरुख एक साल पहले जेल से छूटा था। 8 महीने पहले उसकी मुजफ्फरनगर में ही शादी हुई थी। वह शॉर्प शूटर था। वह प्रोफेशनल किलिंग यानी सुपारी लेकर हत्या करता था। मुख्तार गैंग के साथ ही पश्चिम यूपी में कुख्यात संजीव जीवा गैंग के लिए भी काम करता था।

उदयपुर फाइल्स पर कोर्ट शीघ्र सुनवाई को तैयार

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स-कन्हैयालाल लाल टेलर मर्डर' के रिलीज पर रोक लगाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गौरव भाटिया के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध पर कहा कि इस मामले को एक या दो दिन में सूचीबद्ध किया जाता सकता है।

केंद्रीय विमानन मंत्री से मिले हिमाचल सीएम, शिमला धर्मशाला उड़ानों को नियमित करने का किया आग्रह

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से भेंट कर हिमाचल प्रदेश में हवाई संपर्क को सुदृढ़ करने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

उन्होंने दिल्ली-शिमला-धर्मशाला और धर्मशाला-शिमला-दिल्ली हवाई उड़ानों का संचालन नियमित रूप से करने का आग्रह किया जो वर्तमान में केवल तीन दिन ही संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि नियमित उड़ानें नहीं होने से पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने धर्मशाला नाइट लेंडिंग की सुविधा शुरू करवाने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने नायडू को कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार की स्थिति की जानकारी दी और भूमि अधिग्रहण की अधिक लागत को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पूर्व में एक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री के साथ भी इस विषय पर चर्चा कर नागरिक उड्डयन मंत्रालय से सहायता का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि इस हवाई अड्डे के निर्माण से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। सीएम सुक्खू ने प्रदेश में हवाई संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चार नए हैलीपोर्ट के निर्माण का भी अनुरोध किया।

केंद्रीय विमानन मंत्री राममोहन नायडू से सीएम सुक्खू ने की मुलाकात।

अभिनेत्री सरोजा देवी का निधन

बेंगलुरु, आरएनएन। कन्नड़ सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार रही अभिनेत्री बी. सरोजा देवी (87) का सोमवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। बेंगलुरु के मल्लेश्वरम स्थित घर पर उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया। तमिल में उन्हें प्यार से कन्नड़थु पैंगिली (कन्नड़ का तोता) कहा जाता था। 17 साल की उम्र में कन्नड़ फिल्म महाकवि कालिदास (1955) में अपना पहला ब्रेक पाने वाली इस अभिनेत्री को कन्नड़ सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार के रूप में भी जाना जाता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने अभिनेत्री सरोजा के निधन पर शोक जताया।

बांग्लादेश ने पीएम मोदी को 1000 किलो आम भेजे

यूनुस ने बरकरार रखी मैंगो डिप्लोमेसी, ममता को भी हरिभंगा आम गिफ्ट किए

● ढाका / (एजेंसी)

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने 'हरिभंगा' किस्म के 1,000 किलोग्राम आम भारत भेजे हैं। इन्हें पीएम मोदी, भारत के राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को उपहार में दिए जाएंगे। भारत के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश के तहत बांग्लादेश की इस पहल को 'मैंगो डिप्लोमेसी' कहा जा रहा है। इसके तहत अंतरिम सरकार ने न सिर्फ केंद्र सरकार को, बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी हरिभंगा आम भेजे हैं। ये 300 किलोग्राम आम 60 डिब्बों में पैक करके गुरुवार शाम करीब 5.15 बजे अखौरा लैंड पोर्ट के जरिए भेजे गए। वहीं बांग्लादेश में 'हरिभंगा' प्रीमियम आम माना जाता है। इनकी गुणवत्ता बहुत अच्छी मानी जाती है। भारत में इसे काफी पसंद किया जाता है। बांग्लादेशी अखबार डेली सन की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये आम सद्भावना के प्रतीक के तौर पर भेजे गए हैं ।

हिल्सा मछली की सप्लाई पर रोक

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पिछले साल सितंबर में भारत को हिल्सा मछली का निर्यात रोक दिया था। इसका मकसद घरेलू बाजार में हिल्सा मछली की आपूर्ति सुनिश्चित करना था। दुर्गा पूजा से पहले हर साल भारत आने वाली यह मछली न केवल स्वाद की वजह से मशहूर है, बल्कि भारत-बांग्लादेश रिश्तों की एक खास पहचान बन चुकी थी, जिसे 'हिल्सा डिप्लोमैसी' कहा जाता है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यह पहला मौका था, जब हिलसा निर्यात पर पूरी तरह रोक लगा दी गई। बांग्लादेश हर साल दुर्गा पूजा से पहले 1,500 से 2,000 टन तक हिलसा मछली भारत भेजता रहा है। शेख हसीना सरकार के दौरान यह परंपरा शुरू हुई थी। यूनुस सरकार की इस पर रोक लगाने को भारत-बांग्लादेश के बीच आई कड़वाहट माना जा रहा था।

दुनिया भर में मशहूर हुई चेरापूंजी की खास जिन

● शिलांग / (हि.स.)।

मेघालय में चेरापूंजी की धुंध से ढकी पहाड़ियों में एक दूसरे से कानाफूसी करते बादलों और यहां की लाल धरती पर वर्षा की मधुर कविता के बीच एक शांत क्रांति पनप रही है। वह है यहां के खूबसूरत 'जंगलीपन' से युक्त, बारिश के पानी से बनी 'जिन' की एक बोतल जिसने शराब की दुनिया को हैरान कर दिया है।

राज्य की रेनचेक अर्थ कंपनी की ओर से तैयार 'चेरापूंजी ईस्टर्न क्राफ्ट जिन' ने कैलिफ़ोर्निया में आयोजित 2025 स्पिरिट्स इंटरनेशनल प्रेस्टीज (एसआईपी) पुरस्कारों में प्रतिष्ठित डबल गोल्ड मेडल जीता है। लेकिन इस जीत को सिर्फ पदक ही नहीं बल्कि बोतल के पीछे की कहानी भी ख़ास बनाती है। इस 'जिन' के मूल में चेरापूंजी की प्रसिद्ध मूसलाधार बारिश का पानी है जो धरती के सबसे नम इलाकों में से एक है।

बेगूसराय में तीन युवकों को गोली मारी, एक की मौत

सात राउंड फायरिंग, 20 फीट तक बिखरा खून

● बेगूसराय/ (एजेंसी)

बिहार के बेगूसराय में सोमवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े तीन युवकों को गोली मार दी। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। 7-8 राउंड फायरिंग हुई है।

घटना लोहिया नगर थाना क्षेत्र के बाघा रेलवे गुमटी के पास की है। मृतक की पहचान अमित कुमार (25) के तौर पर हुई है। जानकारी के मुताबिक रेलवे गुमटी के पास अमित छोटे वाहनों से बैरियर वसूलता था। सुबह करीब 11.30 बजे स्टाफ प्रिंस कुमार के साथ बैरियर पर बैठा था। इस दौरान 2 बाइक से 4 अपराधी पहुंचे। ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू की। बेगूसराय रेलवे स्टेशन से 200 मीटर दूर गोली मारी है।

गोली लगने से अमित, शुभम और प्रिंस घायल हो गए। इलाज के लिए स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां अमित की मौत हो गई। स्थिति तनावपूर्ण है। बेगूसराय एसपी मनीष घटनास्थल पर पहुंचे। 4 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची । सड़क पर 20 फीट तक खून के छींटे मिले हैं। गंभीर हालत में तीनों युवकों को अस्पताल लाया गया। जहां एक की मौत हो गई।

शब्द पहेली - 8554

1	2		3	■	4		5	■
6		■		■		■	7	8
	■	9		10		■	■	
11			■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8553 का हल

■	र	ह	म	त	■	म	■	■
■	ह	■	द	■	प	न	घ	ट
स	ब	ल	■	वी	रा	न	■	क
■	र	की	ब	■	या	■	ना	रा
स	■	र	ज	त	प	ट	■	व
र	वि	■	ब	■	न	ह	र	■
ह	■	म	जा	क	■	नी	वा	ला
द	फ	ना	ना	■	सा	■	य	■
■	■	ही	■	ग	फ	ल	त	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7491

मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7490 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

संपादकीय

हिन्दी-मराठी विवाद के नाम पर ठाकरे बन्धुओं का निहितार्थ

भारत विविध भाषा भाषियों का देश है। भारत के लगभग हर राज्यों की अपनी अलग भाषा है। यह भाषाई विविधता उसकी ताकत भी है। लेकिन जब यही विविधता असहिष्णुता में बदल जाती है, तो देश की एकता के लिए चिन्ता गहराने लगती है। अधिकांश राज्यों में भाषा को लोकर इतना गहरा विवाद नहीं पनपता, जितना कि कुछ राज्यों में वहाँ के स्थानीय राजनीतिक दलों की संकीर्णता के कारण पैदा होता है। स्थानीय दलों को लगता है कि केन्द्र की त्रिभाषाा नीति के कारण उनके राज्यों में हिन्दी का वर्चस्व बढ़ जायेगा, जिसके कारण राष्ट्रीय दल भी वहाँ अपनी उपस्थिति दर्ज करके सत्ता में काबिज हो जायेगें। इसीलिए पहले ही से सक्रिय स्थानीय राजनैतिक दल और और नेता वहाँ की स्थानीय जनता को नौकरी तथा कई तरह के भम दिखाकर हिन्दी और सरकार के विरोध का एक कृत्रिम वातावरण पैदा कर देते हैं जिसके कारण बाहरी लोगों के विरुद्ध हिंसा होने लगती है।

वर्तमान समय में महाराष्ट्र में मराठी बनाम हिन्दी के नाम पर इसी तरह हिंसा का बातावरण तैयार किया गया है, जिसमें महक उत्तर प्रदेश,बिहार, दिल्ली आदि से आये लोगों से जबरन मराठी बुलवाई जा रही है, ऐसा न कर पाने पर उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

वास्तव में तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्रमें शुरू ताजा भाषा विवाद का मुख्य कारण आसन्न बृहन्मुम्बई नगरपालिका के चुनाव हैं। अभी तक बृहन्मुम्बई नगरपालिका पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी का कब्जा है। कहीं आगामी चुनावों में बी.एम.सी. की सत्ता ठाकरे परिवार के हाथ से निकल न जाये इसी लिए उसपर फिर से कब्जा जमाने के लिए हिन्दी मराठी विवाद भड़काने के साथ दोनों ठाकरे बंधु (उद्व-राजठाकरे) भी एक हो रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बी.एम.सी. ही ठाकरे परिवार की अकूत सम्पत्ति का एकमान आधार है। इसी को बचाने के लिए 23 साल से अलग-अलग रहे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे भी एक हो गये हैं। ठाकरे बंधुओं को पता है कि यदि बीएमसीसे उनका वर्चस्व खत्म हो जाता है तो पूरे महाराष्ट्र से भी उनके बचे खुचे जनाधार को समाप्त होने में बहुत समय नहीं लगेगा।

बृहन्मुंबई नगर पालिका, देश की सबसे बड़ी नगर पालिका है। इसका सालाना बजत अब भी देश के कई छोटे राज्यों से बड़ा है। वर्तमान में बीएमसी का वार्षिक बजट लगभग 75000 करोड रुपए का है। बीएमसी के बारे में यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि इसकी सत्ता, पर दशकों से ठाकरे परिवार का कब्जा है। मुंबई में आम आदमी भी इस तथ्य से भली भांतिपरिचित है कि बीएमसी के सम्पूर्ण बजट का 10% ठाकरे परिवार को कमीशन के रूप में जाता है। आप इसी तथ्य से इस बात का अंदाजा लगा सकते हैं कि बीएमसी का चुनाव ठाकरे बंधुओं के लिए जीवन मरण का प्रश्न है। स्पष्ट है कि इसी लिए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे इतने वर्षों की आपसी दुश्मनी और मनमुटाव को भुलाकर मराठी गौरव बचाने के नाम पर एक साथ आ गये हैं। वैसे दोनों भाइयों का एक साथ आ जाना कोई बुराई नहीं है। भारतीय संस्कृति और परम्परा के अनुसार यह बहुत श्रेष्ठ फलदायक है।

लेकिन यहाँ एक बात कतई नहीं समझ में नहीं आती कि मराठी भाषा के नाम पर आप गैर मराठी भाषियों खासकर हिन्दी भाषियों पर शारीरिक अत्याचार करें और उन्हें प्रताड़ित करें। झससे मराठी गौरव को बढ़ावा तो नहीं मिलेगा अपितु देश भर में फैले लाखों मराठी भाषियों के प्रति वैमनस्या का भाव ही पैदा होगा, जिसे देशहित में अच्छा नहीं कहा जा सकता है।

सरकार को भाषा के नाम पर अलगाव को बढ़ावा देने वालों ऐसे तत्वों को सख़्ती से कुचल देना चाहिए।

वीरांगना

स्वाधीनता आन्दोलन की साहसी महिलाएं

नीरा आर्य

सन 1902, 5 मार्च को उत्तर प्रदेश के मेरठ में खेकड़ा गाँव के जाट परिवार में जनमी नीरा आर्य भारत की पहली महिला जासूस थीं। बचपन से लेकर अंतिम समय तक इस वीरांगना ने जिस प्रकार त्याग, बलिदान और वीरता का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया, वो काबिले तारीफ है। नीरा ने वाल्यकाल में ही भगत सिंह और दुर्गा भाभी का सान्निध्य पाया, जिसका प्रभाव नीरा पर खूब पड़ा। युवा होने पर नीरा की शादी श्रीकांत जयरंजन दास से हुई। श्रीकांत जयरंजन दास ब्रिटिश पुलिस के खुफिया विभाग में एक अफसर थे, जब नीरा को यह पता चला कि वह महान् देशभक्त राजा महेंद प्रताप और सुभाष चंद्र बोस की जासूसी कर रहा था तो नीरा ने अपने पति जयरंजन दास को सही रास्ते पर लाने के लिए खूब समझाया, लेकिन वह लालच से भरा हुआ था। अंत में नीरा ने अपने पति को छोड़ने का फैसला किया और नीरा नेताजी से मिलकर झाँसी रेजीमेंट में शामिल हो गई। नीरा और उनके साथियों ने मिलकर अंग्रेजों की छावनी में घुसकर जासूसी की, जिससे आजाद हिंद फौज अंग्रेजों के कई नापाक मंसूबों को विफल करने में सफल हुई। इस तरह नीरा ने देश की प्रथम महिला जासूस होने का गौरव प्राप्त किया। नीरा की वीरता से प्रभावित हो नेताजी ने उन्हें झाँसी रेजीमेंट में कैप्टन बना दिया। नीरा ने आजाद हिंद फौज में अपनी वीरता का प्रदर्शन कई बार किया, लेकिन बाद में अमेरिका ने जापान पर हमला कर दिया। सभी क्रांतिकारी सिपाहियों को पकड़ लिया गया और नीरा को भी काला-पानी की सजा दी गई, जहाँ नीरा को अंग्रेजों ने क्रूर यातनाएँ दीं। अंग्रेजों द्वारा दी गई मानसिक व शारीरिक प्रताड़नाओं के बाद भी निर्भीक नीरा ने कोई भी खुफिया जानकारी अंग्रेजों से साझा नहीं की। अपनी विफलता के कारण अंग्रेजों ने नीरा को मोल चक्कर की चरखी पर चढ़ाकर घुमाया, फिर वेहोश नीरा को अंग्रेजों ने एक खतरनाक टापू पर ले जाकर फेंक दिया। नीरा को उस टापू पर आदिवासियों ने क्वाया। नीरा का स्वास्थ्य यातनाओं से कारण टूट चुका था। उन्हें सँभालने में लंबा वक्त लगा, इस बीच वह आदिवासियों को अपने पर वीती समझाने में सफल हुई, तव आदिवासियों ने एक नाव का इंतजाम कर उन्हें भारत के लिए रवाना किया। अकेले नाव में अनजान समुद्री - रास्तों से होती हुई यह वीरांगना हैदराबाद पहुँची, तब तक देश आजाद हो चुका था। जहाँ पर उन्होंने अपने जीवन के बचे दिन बड़ी दयनीय अवस्था में व्यतीत किए।

26 जुलाई, 1998 को देश की प्रथम महिला जासूस, आजाद हिंद फौज की महान्-क्रांतिकारी कैप्टन, काला-पानी की सजा भोगने वाली नीरा आर्य की संघर्षपूर्ण जिंदगी का अंत हो गया।

आस्था के प्रहरी बने धामी

ढोंगियों पर टूटा कालनेमि का कहर

नवीन खाती

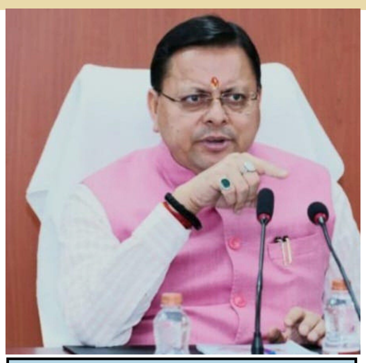

देवभूमि उत्तराखंड, जिसे भारत की धार्मिक चेतना का उद्गम स्थल माना जाता है, आज एक नए अध्याय की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा हाल ही में आरंभ किया गया ऑपरेशन कालनेमि न केवल एक प्रशासनिक निर्णय है, बल्कि यह उस व्यापक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी का भी परिचायक है, जो किसी राज्य या राष्ट्र के नेतृत्व से अपेक्षित होती है। यह अभियान एक स्पष्ट संदेश देता है कि सनातन संस्कृति के नाम पर पाखंड, छल और धार्मिक धोखाधड़ी अब उत्तराखंड की धरती पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कांवड़ यात्रा जैसे व्यापक धार्मिक आयोजन से ठीक पहले मुख्यमंत्री धामी द्वारा यह निर्णय लेना न केवल समयोचित है, बल्कि इसे दूरदर्शिता का प्रतीक भी माना जा सकता है। हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, और गंगोत्री जैसे धार्मिक स्थल न केवल देशभर से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं, बल्कि इस दौरान इन स्थलों की पवित्रता और श्रद्धा की रक्षा करना सरकार की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी बन जाती है।

हाल के वर्षों में धार्मिक चोगा धारण कर ठगी, यौन शोषण, मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध गतिविधियों में लिप्त ऐसे लोगों की संख्या में वृद्धि देखी गई है जो स्वयं को साधु, बाबा या फकीर घोषित कर देते हैं। उत्तराखंड पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा बीते वर्षों में की गई कार्रवाइयों में अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां नकली साधुओं ने आम जनता को उनके धर्म, आस्था और भय का लाभ उठाकर छलने का प्रयास किया। वर्ष 2022 में हरिद्वार में गिरफ्तार किए गए एक फर्जी बाबा के पास से लाखों रुपये नकद, मादक पदार्थ, और संदिग्ध दस्तावेज मिले थे। पूछताछ में पता चला कि वह वर्षों से युवतियों को तथाकथित धार्मिक दीक्षा के नाम पर शोषण का शिकार बना रहा था। इसी तरह ऋषिकेश में एक स्वयंभू साध्वी के नाम पर संचालित आश्रम में बालिकाओं को बहला-फुसलाकर लाया जाता था और उनसे घरेलू नौकरों जैसा व्यवहार किया जाता था। ये घटनाएं केवल कानून व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, बल्कि वे धर्म की मूल भावना के विरुद्ध आचरण हैं।

त्रेता युग में रामायण के अनुसार, असुर कालनेमि ने साधु का वेश धारण कर हनुमान को भ्रमित करने का प्रयास किया था। यह एक प्रतीकात्मक कथा है जो यह दर्शाती है कि अधर्म भी धर्म का भेष लेकर समाज में प्रवेश कर सकता है। आज के सामाजिक परिदृश्य में जब कुछ लोग धार्मिक भेष का दुरुपयोग कर रहे हैं, तब मुख्यमंत्री धामी द्वारा इस ऐतिहासिक सन्दर्भ को आधार बनाकर ऑपरेशन कालनेमि शुरू करना न केवल धार्मिक चेतना का परिचायक है, बल्कि यह समाज को उस अंधभक्ति और पाखंड से बचाने का भी एक प्रबुद्ध प्रयास है जो अक्सर छद्म साधुओं की आड़ में फलता-फूलता है।

जब धर्म आस्था से अधिक व्यापार बनने लगे, और साधु-संन्यास के वस्त्रों के पीछे पाखंड और अपराध छिपने लगें, तब आवश्यक हो जाता है कि कोई निर्णायक नेतृत्व आगे आए और धर्म की रक्षा का वास्तविक अर्थ समाज को समझाए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा शुरू किया गया ऑपरेशन कालनेमि ठीक ऐसा ही एक साहसिक कदम है– एक ऐसा अभियान जो न केवल देवभूमि की पवित्रता को अपवित्र करने वालों पर प्रहार करता है, बल्कि यह भी बताता है कि सनातन परंपरा की रक्षा अब केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि विवेक और सख़्त कार्रवाई से होगी।

उत्तराखंड एक तीर्थ प्रदेश है। यहां की आर्थिकी का बड़ा हिस्सा धार्मिक पर्यटन से जुड़ा है। लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान, चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा, योग महोत्सव जैसे आयोजनों के लिए आते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, धार्मिक स्थलों की मयादा, और जनता की आस्था की रक्षा को केवल पुलिसिया दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से देखना आवश्यक है। ऑपरेशन कालनेमि इसी सोच को मूर्त रूप देता है। इसमें न केवल छद्म भेषधारियों की पहचान और कार्रवाई की बात की गई है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आम जनता विशेषकर महिलाएं, बुजुर्ग और भोले-भाले ग्रामीण, किसी धार्मिक छलावे के शिकार न बनें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का यह निर्णय राजनीतिक लाभ से अधिक एक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से प्रेरित दिखता है। चुनावी लाभ या धार्मिक ध्रुवीकरण के आरोप लगाना आसान हो सकता है, लेकिन यदि गहराई से देखा जाए तो यह पहल समाज में एक स्वस्थ धार्मिक चेतना और सुरक्षा का वातावरण निर्मित करती है। यह उस वैदिक परंपरा की पुनर्स्थापना का प्रयास है जिसमें गुरु-शिष्य, साधु-गृहस्थ और समाज के बीच विश्वास का एक दिव्य संबंध होता था। धामी सरकार के इस निर्णय में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि वह केवल धार्मिक आयोजनों के आयोजक की भूमिका तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि वह इन आयोजनों की पवित्रता, सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय संरक्षक की भूमिका निभा रही है। ऑपरेशन कालनेमि के अंतर्गत जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, खुफिया एजेंसियों और स्थानीय निकायों को समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है। खासकर हरिद्वार, ऋषिकेश, काशीपुर, और ऊधमसिंह नगर जैसे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, धर्मशालाओं और घाटों पर ऐसे लोगों की पहचान के लिए निगरानी बढ़ाई गई है जो साधु का चोला पहनकर आम जनता के संपर्क में आते हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी स्पष्ट रूप से कहा है कि किसी भी धर्म या पंथ से जुड़े व्यक्ति को केवल उनके वेश या प्रतीक के आधार पर नहीं, बल्कि उनके आचरण और उद्देश्य के आधार पर जांचा जाए। इसका तात्पर्य यह है कि इस अभियान का उद्देश्य किसी विशेष धर्म को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि धर्म के नाम पर होने वाले अपवित्र कृत्यों पर रोक लगाना है। ऑपरेशन कालनेमि की सफलता केवल प्रशासनिक इच्छाशक्ति से नहीं, बल्कि जनता की भागीदारी से भी तय होगी। समाज को जागरूक होना होगा कि वह अंधभक्ति में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करे। किसी भी व्यक्ति द्वारा यदि असामान्य व्यवहार, धन की मांग, या निजी जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाए तो उसकी सूचना प्रशासन को देनी चाहिए। यही सामाजिक जागरूकता इस अभियान को सार्थकता देगी।

इस दिशा में उत्तराखंड सरकार ने सोशल मीडिया, एफएम रेडियो और डिजिटल माध्यमों से जागरूकता अभियान शुरू किया है। पुलिस हेल्पलाइन और कंट्रोल रूमों को इस अभियान से जोड़ा गया है ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि तत्काल चिन्हित हो सके। ऑपरेशन कालनेमि केवल उत्तराखंड की बात नहीं है, यह पूरे भारत के लिए एक प्रेरणा है। जब धर्म के नाम पर अराजकता, हिंसा, ठगी और यौन शोषण जैसे अपराध बढ़ते हैं, तब ऐसी पहलें उस मूल आध्यात्मिक दृष्टि की ओर लौटने का मार्ग बनती हैं जो भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह अभियान हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि धर्म केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जिसकी रक्षा केवल मंदिरों में पूजा से नहीं, बल्कि समाज में नैतिकता और सत्य की स्थापना से होती है।

मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि देवभूमि में अधर्म का स्थान नहीं होगा। यह एक कथन मात्र नहीं, बल्कि उत्तराखंड की भावी दिशा और धार्मिक रीति-नीति का घोषणापत्र भी है। जब संपूर्ण देश धर्म के नाम पर भटकाव, हिंसा और भ्रम के दौर से गुजर रहा हो, ऐसे समय में उत्तराखंड से आई यह पहल सकारात्मकता की एक प्रकाशपुंज है। यह केवल पुलिस अभियान नहीं है, यह समाज की उस आत्मा की पुकार है जो धर्म को धंधा बनने से रोकना चाहती है। यह उस सत्य और विश्वास की पुनर्स्थापना है, जिसे भारतवर्ष ने सदियों से पूजा है।

ऑपरेशन कालनेमि एक मिसाल है कि देवभूमि में अब न कालनेमि पनपेंगे, न उनके छलावे। आस्था अब जागरूकता के साथ चलेगी, और धर्म केवल वेशभूषा नहीं, आचरण से पहचाना जाएगा।

प्राकृतिक आपदा से जूझते हिमाचल और उत्तराखंड की हकीकत

मुकेश टम्टा

पहाड़ी राज्यों की सुंदरता, शांति और प्राकृतिक संपदा जितनी मनमोहक है, उतनी ही गंभीर और खतरनाक है वहाँ की भौगोलिक जटिलता। विशेषकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य, जहाँ एक ओर देवभूमि और पर्यटन की पहचान है, वहीं दूसरी ओर भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएँ यहाँ के जनजीवन को बार-बार झकझोर रही हैं। भूस्खलन केवल एक भौगोलिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि यदि हमने पर्वतीय पर्यावरण से छेड़छाड़ बंद नहीं की, तो विनाश की यह गाथा और भी भयावह हो सकती है।

हिमालय क्षेत्र की चट्टानें भूगर्भीय दृष्टि से अपेक्षाकृत नई और कमजोर हैं। इनके लगातार धंसने और सरकने की प्रवृत्ति रही है, जिसे समय-समय पर भूस्खलन के रूप में देखा गया है। लेकिन विडंबना यह है कि अब इन प्राकृतिक प्रवृत्तियों में मानवीय गतिविधियाँ और निर्माण कार्य एक अतिरिक्त कारक बन चुके हैं। अनियोजित शहरीकरण, सड़क निर्माण, सुरंगें, बड़े-बड़े बांध और हाइड्रो प्रोजेक्ट्स न केवल पहाड़ों की ताकत को कमजोर कर रहे हैं, बल्कि भूमिगत जल की दिशा में भी बदलाव कर रहे हैं। इससे जमीन की स्थिरता प्रभावित होती है और बारिश के समय भारी भूस्खलन की घटनाएँ होती हैं।

हर साल जून से सितंबर तक का समय पहाड़ी राज्यों के लिए डर का मौसम बन चुका है। जैसे ही मानसून दस्तक देता है, वैसे ही

उत्तराखंड के यमकेश्वर, टिहरी, पिथौरागढ़ या चंपावत के कई गाँव सिहर उठते हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश में मंडी, किन्नौर, शिमला, चंबा और कुल्लू जैसे जिले भूस्खलन की चपेट में आ जाते हैं। हाल ही के वर्षों में मंडी जिले के कोटरूपी और उत्तरकाशी के गंगोत्री क्षेत्र में हुए भूस्खलन की घटनाओं ने कई लोगों की जान ले ली और गांव के गांव खाली हो गए।

भूस्खलन का सबसे बड़ा असर यातायात पर पड़ता है। एनएच-58, एनएच-707 जैसे राजमार्ग जो चारधाम यात्रा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक पहुँचते हैं, अक्सर भूस्खलन से बाधित हो जाते हैं। इससे न केवल आम जनता बल्कि सुरक्षा तंत्र और आपदा राहत की टीमों की भी मुश्किलें बढ़ जाती हैं। गांवों का मुख्यालयों से संपर्क टूट जाता है, राहत सामग्री पहुँचाना कठिन हो जाता है और कई बार तो मरीजों की अस्पताल न पहुँच पाने के कारण मृत्यु हो जाती है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना भी भूस्खलन की घटनाओं को बढ़ा रहा है। अचानक आने वाली भारी बारिश, बादल फटना और भूमि का असंतुलन। ये सभी ऐसी आपदाएँ हैं जो परोक्ष रूप से भूस्खलन को जन्म देती हैं। टिहरी और भागीरथी घाटी में वैज्ञानिकों ने यह चेतावनी दी है कि यदि जलवायु परिवर्तन की गति ऐसे ही बनी रही, तो आने वाले वर्षों में पहाड़ों की संरचना और अधिक अस्थिर हो जाएगी।

उत्तराखंड और हिमाचल पर्यटन पर आधारित राज्य हैं। गर्मियों और चारधाम यात्राओं के दौरान इन राज्यों में लाखों पर्यटक पहुँचते हैं। इससे वाहनों का अत्यधिक दबाव, ठहरने की अस्थायी व्यवस्था और संसाधनों की अधिक खपत पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित करती है। पहाड़ों में बढ़ता हुआ यातायात कंपन और ध्वनि तरंगों के माध्यम से भूमि को प्रभावित करता है। होटल और गेस्ट हाउसों के लिए की जा रही कटाई भी भूस्खलन का कारण बनती है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल आपदा के बाद प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें पहले से तैयार रहना होगा। इसके लिए जरूरी है जियोटेक्निकल सर्वे अर्थात सभी संवेदनशील क्षेत्रों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर स्थायित्व का अध्ययन किया जाए। पर्वतीय क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और परियोजनाओं को नियंत्रित किया जाए। स्थानीय लोगों को आपदा प्रबंधन में भागीदार बनाया जाए, उनके अनुभवों और ज्ञान को उपयोग में लाया जाए। वर्षा जल संचयन और बहाव को नियंत्रित करने के लिए उपयुक्त तकनीकें विकसित की जाएँ। जंगलों की कटाई रोकी जाए और अधिक से अधिक वृक्ष लगाए जाएँ ताकि मिट्टी को पकड़ने की प्राकृतिक ताकत बनी रहे। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में समयपूर्व चेतावनी देने वाले सेंसर लगाए जाएँ।

भूस्खलन केवल एक आपदा नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय संतुलन से खिलवाड़ का परिणाम है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्य जिनकी प्रकृति पर निर्भरता सबसे अधिक है, उन्हें चाहिए कि वे विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाएं। केवल सड़कें बनाना या टनल काटना विकास नहीं है, बल्कि लोगों की सुरक्षा, प्रकृति की रक्षा और स्थायी जीवनशैली को अपनाना ही असली विकास है। यदि हम समय रहते नहीं चेते, तो पर्वत जो अब तक हमारी शान रहे हैं, वही भविष्य में विनाश का कारण बन सकते हैं।

नेतृत्व निर्माण की ओर एसजेवीएन की सशक्त पहल

देश के सार्वजनिक उपक्रमों को नई ऊर्जा और दूरदृष्टि देने की दिशा में सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड ने जो पहल की है, वह सराहना और अनुकरणीयता की पात्र है। एसजेवीएन द्वारा हाल ही में आयोजित दो दिवसीय ओरिएन्टेशन कार्यक्रम ने यह सिद्ध कर दिया कि यह संस्था केवल विद्युत उत्पादन में ही नहीं, बल्कि नीति, नेतृत्व और नवाचार के क्षेत्र में भी एक अग्रणी भूमिका निभा रही है। भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यम विभाग के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम न केवल समय की मांग थी, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के प्रति एक दूरदर्शी तैयारी भी कही जा सकती है।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें विभिन्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के अध्यक्षों, प्रबंध निदेशकों और निदेशक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। यह आयोजन केवल एक प्रशिक्षण शिविर नहीं था, बल्कि विचारों, अनुभवों और रणनीतियों के परिष्कृत आदान-प्रदान का एक ऐसा मंच था, जिसने नेतृत्व को व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ने का कार्य किया। आज जब विश्व और भारतीय अर्थव्यवस्था एक गहन संक्रमण काल से गुजर रही है, और तकनीक, नीति, पूंजी और मानव संसाधन के क्षेत्र में तीव्र बदलाव हो रहे हैं, तब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए स्थायित्व और प्रतिस्पर्धा बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। एसजेवीएन ने इस सच्चाई को न केवल पहचाना है, बल्कि उसके समाधान की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई है।

इस ओरिएन्टेशन कार्यक्रम में शासन व्यवस्था, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, डिजिटल परिवर्तन, रणनीतिक विनिवेश, सतत विकास और मानव संसाधन विकास जैसे ज्वलंत विषयों पर गहन विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के वक्ताओं में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उद्योग विशेषज्ञ, नीति विश्लेषक और अनुभवी कॉर्पोरेट प्रबंधक शामिल रहे। उन्होंने न केवल अपने अनुभव साझा किए, बल्कि प्रतिभागियों को वर्तमान वैश्विक और राष्ट्रीय संदर्भ में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रस्तुत की गई केस स्टडीज और समूह चचाओं ने प्रतिभागियों को वास्तविक चुनौतियों से रूबरू करवाया, जिससे उनकी व्यावहारिक समझ और समस्या-समाधान की दृष्टि विकसित हुई।

एसजेवीएन की इस पहल का एक और विशेष पहलू था- नेतृत्व में जवाबदेही और पारदर्शिता की भावना को मजबूत करना। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, डेटा-आधारित नीति निर्माण, और शासन में तकनीक के समावेशन पर दिए गए जोर ने यह संकेत दिया कि एसजेवीएन भविष्य को केवल योजनाओं में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की पारदर्शिता में भी देखता है।

ऐसे समय में जब कई सार्वजनिक उपक्रम केवल प्रशासनिक मशीनरी के तौर पर सीमित हो चुके हैं, एसजेवीएन का यह कार्यक्रम उन्हें गतिशील और दूरदर्शी बनाने की एक सशक्त पहल बनकर उभरा है। इस आयोजन का महत्व केवल शैक्षणिक या प्रशिक्षण तक सीमित नहीं था।

यह सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों के बीच नेटवर्किंग, समन्वय और साझा प्रयासों का भी एक मजबूत मंच बना। प्रतिभागियों ने इस बात को खुले तौर पर स्वीकार किया कि यह कार्यक्रम उन्हें न केवल नीति और प्रशासन की जटिलताओं को समझने में मददगार रहा, बल्कि यह भी बताया कि कैसे एक सशक्त नेतृत्व अपनी संस्था को आधुनिक, उत्तरदायी और नवाचारशील बना सकता है।

एसजेवीएन ने यह साबित कर दिया कि सार्वजनिक उपक्रमों का दायित्व केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि समग्र राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाना है। एक ऐसा समय जब निजी क्षेत्र में नेतृत्व विकास पर अरबों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, एसजेवीएन ने सीमित संसाधनों में एक ऐसा मंच खड़ा किया जो ना केवल प्रेरणादायक है, बल्कि अन्य सीपीएसई के लिए अनुकरणीय भी है।

ऊर्जा उत्पादन में विश्वसनीयता और परियोजना प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए पहचाना जाने वाला एसजेवीएन, इस ओरिएन्टेशन कार्यक्रम के माध्यम से अब प्रशासनिक नवाचार और नेतृत्व निर्माण के क्षेत्र में भी अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह आयोजन महज एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक विजन का प्रतिबिंब है। एक ऐसा विजन जो यह कहता है कि यदि सार्वजनिक उपक्रमों का नेतृत्व प्रबुद्ध, संवेदनशील और नवोन्मेषी हो, तो वे देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में अपार योगदान दे सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से जो संदेश उभर कर आया, वह यह था कि यदि नेतृत्व को तैयार करने के लिए उपयुक्त मंच और अवसर मिलें, तो सार्वजनिक उपक्रमों की क्षमता किसी भी निजी संस्था से कम नहीं है। एसजेवीएन की यह पहल आने वाले समय में न केवल सीपीएसई के समग्र विकास को गति देगी, बल्कि नीति निर्माण से लेकर धरातल तक के कार्यान्वयन में प्रशासनिक उत्कृष्टता की एक नई परिभाषा गढ़ेगी।

इस तरह, एसजेवीएन ने यह दिखा दिया कि उसका दायरा केवल पनबिजली परियोजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि वह एक दूरदर्शी संस्था है जो नेतृत्व, नैतिकता, दक्षता और नवाचार के पथ पर सार्वजनिक क्षेत्र को नई दिशा देने में सक्षम है। ऐसे प्रयासों से न केवल संस्थाएं सशक्त होती हैं, बल्कि राष्ट्र का भविष्य भी उज्जवल होता है।

रियासी के उपायुक्त ने शिव खोरी तीर्थस्थल पर श्रावण महोत्सव का उद्घाटन किया

रियासी, 14 जुलाई: उपायुक्त निधि मलिक, जो श्री शिव खोरी तीर्थस्थल बोर्ड (एसएसकेएसबी) की उपाध्यक्ष भी हैं, ने सोमवार को प्रतिष्ठित शिव खोरी तीर्थस्थल पर श्रावण महोत्सव का उद्घाटन किया। यह महोत्सव आध्यात्मिक उत्साह और धार्मिक भावना के साथ शुरू हुआ, जो श्रावण मास (11 जुलाई से 6 अगस्त) के पहले सोमवार के साथ मेल खाता है।

यह आयोजन पर्यटन विभाग और श्री शिव खोरी तीर्थस्थल बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसने इस धार्मिक आयोजन को भव्यता और समन्वित योजना प्रदान की। महोत्सव की शुरूआत एक भव्य कावड़ यात्रा के साथ हुई, जो रानसू बेस कैंप स्थित दर्शनी देवड़ी से शुरू होकर भगवान शिव के पवित्र गुफा मंदिर में समाप्त हुई। उपायुक्त ने अपने कंधों पर अलंकृत कावड़ लिए भक्तों के साथ धार्मिक भजन गाए।

श्रावण महोत्सव में महीने के प्रत्येक सोमवार को कावड़ यात्रा जैसे सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। 27 जुलाई से 4 अगस्त तक शिव पुराण कथा का आयोजन होगा और 4 अगस्त को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे और आध्यात्मिक रूप से उत्साहवर्धक वातावरण बनेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपायुक्त ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और हिंदू परंपरा में श्रावण मास के महत्व पर बल दिया। उन्होंने महोत्सव के सुचारू संचालन और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के लिए किए गए व्यापक प्रबंधों के लिए श्री शिवखोड़ी श्राइन बोर्ड, पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

उपायुक्त ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और जिले की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने में महोत्सव की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि ज़िला प्रशासन ने धार्मिक उत्सव के सुचारू संचालन के लिए स्वच्छ पेयजल, बिजली आपूर्ति, चिकित्सा सहायता और अग्नि सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं।

मुख्य सचिव ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 100% डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड पर जोर दिया

श्रीनगर, 14 जुलाई: मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य पूरे केंद्र शासित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा डेटा और डिजिटल सेवाओं का निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करना था।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत चल रही पहलों का जायजा लेते हुए, मुख्य सचिव ने मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता आईडी से जोड़ने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि इस महत्वपूर्ण डिजिटल परिवर्तन को बिना किसी और देरी के पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जानी चाहिए।

उन्होंने सेहत, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और स्वास्थ्य सेवाएँ पोर्टलों को आपस में जोड़ने का आह्वान किया, ताकि एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके जो मरीजों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और संस्थानों को एक ही मंच के माध्यम से आसानी से डेटा तक पहुँचने और साझा करने में सक्षम बनाए। डुल्लू ने जोर देकर कहा कि मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का निरंतर अद्यतन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि किसी भी

अस्पताल या डॉक्टर के पास जाते समय लोगों को कागजात रिकॉर्ड ले जाने की जरूरत न पड़े। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में स्कैन एंड शेयर सुविधा के सार्वभौमिक कार्यान्वयन का आह्वान किया। उन्होंने विभाग को मानव संसाधन को युक्तिसंगत बनाने का निर्देश दिया, विशेष रूप से एचएमआईएस मॉड्यूल की सफलता के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रविष्टि कार्यों के लिए। जवाबदेही और डेटा अखंडता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्य सचिव ने विभाग को स्वास्थ्य पेशेवर रजिस्ट्री (एचपीआर) में तेजी लाने और अनुपालन में देरी करने वाले पेशेवरों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया।

उन्होंने एबीडीएम ढांचे के तहत डिजिटलीकरण लक्ष्यों को पेशेवर और तेजी से पूरा करने के लिए बीआईएसएजी-एन से तकनीकी सहायता लेने की भी सलाह दी।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू -कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

श्रीनगर, 14 जुलाई: जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष श्री सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने आज उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मुलाकात की और हाल ही में और बार-बार होने वाली मौसम संबंधी प्रतिकूलताओं से प्रभावित केंद्र शासित प्रदेश में बागवानी क्षेत्र और बागवानों एवं किसानों के कल्याण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को उनके समक्ष रखा।

विधायक जावेद इकबाल चौधरी ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

श्रीनगर, 14 जुलाई: बुधल से विधान सभा सदस्य श्री जावेद इकबाल चौधरी ने आज उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने उपराज्यपाल को गुज्जर और बकरवाल समुदाय के विभिन्न कल्याणकारी मुद्दों से अवगत कराया, जिनमें खवास में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कोटरंका में केंद्रीय विद्यालय और केंद्र शासित प्रदेश के अन्य जनजातीय क्षेत्रों में इसी तरह के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना शामिल है। उन्होंने बुधल निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए विशेष केंद्रीय सहायता का भी अनुरोध किया।

उपायुक्त सांबा ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 के अंतर्गत लाभार्थी सत्यापन की समीक्षा की

सांबा, 14 जुलाई: उपायुक्त सांबा राजेश शर्मा ने आज जिला स्तरीय समिति की बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 के अंतर्गत लाभार्थी सत्यापन की समीक्षा की। समिति ने नगर परिषद सांबा और विजयपुर, बारी ब्राह्मणा और रामगढ़ नगर पालिकाओं से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। राजस्व और शहरी स्थानीय निकाय कर्मचारियों द्वारा गहन जांच और संयुक्त स्थल सत्यापन के बाद, लाभार्थी-नेतृत्व निर्माण घटक के अंतर्गत पात्र मामलों को एकीकृत वेब पोर्टल के माध्यम से आगे की प्रक्रिया के लिए अनुशंसित किया गया। डीसी सांबा ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों के आवेदकों को शीघ्र निपटान हेतु सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों तक समय पर सहायता पहुँचाने के लिए पारदर्शिता और वास्तविक लाभार्थियों की उचित पहचान के महत्व पर बल दिया।

जिला निर्वाचन कार्यालय शोपियां में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण-2025 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

शोपियां, 14 जुलाई: जिला निर्वाचन कार्यालय (डीईओ), शोपियां द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, 2025 के अंतर्गत आज 36-जैनपोरा और 37-शोपियां विधानसभा क्षेत्रों के बीएलओ पर्यवेक्षकों और बीएलओ के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह प्रशिक्षण डाइट शोपियां और मिनी सचिवालय शोपियां में सुबह और दोपहर के सत्रों में दो बैचों में एक साथ आयोजित किया गया। मुख्य विषयों में घर-घर जाकर सत्यापन, दावों/आपत्तियों का निपटान और चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार आईटी उपकरणों का उपयोग शामिल था। कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूची में सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना था।

श्रीनगर के उपायुक्त और श्रीनगर नगर निगम आयुक्त ने पीएमएवाई-शहरी 2.0 की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 14 जुलाई: श्रीनगर के उपायुक्त अक्षय लाबरू और श्रीनगर नगर निगम आयुक्त फज लुल हसीब ने सोमवार को जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-यू 2.0) के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए डीसी कार्यालय के मीटिंग हॉल में राजस्व और एसएमसी अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक की। आरंभ में, उपायुक्त एवं एसएमसी आयुक्त ने योजना के अंतर्गत लाभार्थी चयन में पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ पात्र लोगों तक पहुँचे। उन्होंने राजस्व और एसएमसी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी पात्र लाभार्थी छूट न जाए और कोई भी अपात्र मामला अंतिम लाभार्थी सूची में शामिल न हो। राजस्व और एसएमसी अधिकारियों को 'सभी के लिए आवास' प्रदान करने के योजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप अपने-अपने स्तर पर सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। पीएमएवाई-यू 2.0 के एकीकृत वेब पोर्टल पर पंजीकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए, उपायुक्त एवं एसएमसी आयुक्त को अवगत कराया गया कि जिले में इस योजना के अंतर्गत हजारों आवेदन प्राप्त हुए हैं।

डॉ. जितेंद्र ने नए बैचों के लिए आईआईएम जम्मू के 5 दिवसीय समग्र अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्घाटन किया

जम्मू, 14 जुलाई: भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जम्मू ने आज जगती परिसर में आयोजित एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ अपने पांच दिवसीय समग्र अभिविन्यास कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में पीएचडी के छठे बैच, पीएचडी (कार्यरत पेशेवर) के चौथे बैच, एमबीए के दसवें बैच, हेल्थकेयर मैनेजमेंट में एमबीए के चौथे बैच और एग्जीक्यूटिव एमबीए (ईएमबीए) के पाँचवें बैच को आईआईएम जम्मू के शैक्षणिक समुदाय में औपचारिक रूप से शामिल किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया।

जम्मू नगर निगम आयुक्त ने जम्मू शहर में श्री अमरनाथ जी यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए स्वच्छता परिदृश्य की समीक्षा की

जम्मू, 14 जुलाई : जम्मू नगर निगम (जेएमसी) आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज जम्मू शहर के विभिन्न हिस्सों में स्वच्छता का जायजा लिया, जिसमें नगरपालिका वार्ड भी शामिल थे जहाँ श्री अमरनाथ जी यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए आवास केंद्र स्थापित किए गए हैं।

जेएमसी आयुक्त ने भगवती नगर यात्री निवास, विक्रम चौक, ज्वेल, कच्ची चौहनी, परेड क्षेत्र, करण नगर, अम्फला, रेहारी और नरवाल तथा अन्य क्षेत्रों का दौरा किया जहाँ तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई।

डॉ. यादव ने स्वच्छता कार्यों का जायजा लिया और इन स्थानों पर तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों से बातचीत की।

उन्होंने सड़कों, सार्वजनिक क्षेत्रों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं की स्थिति की जाँच की। उन्होंने विभिन्न वार्डों में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की भी समीक्षा की और कुछ

कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी को अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्वच्छता बनाए रखने में कोई चूक न हो।

आयुक्त ने वाहनों की तैनाती, अपशिष्ट संग्रहण बिंदुओं और उपचार सुविधाओं की भी जांच की और टीमों को विशेष रूप से संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सतर्क और उत्तरदायी रहने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तीर्थयात्रियों और निवासियों के लिए स्वच्छ, स्वास्थ्यकर और स्वागत योग्य वातावरण बनाए रखना जम्मू नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जेएमसी नेतृत्व का सक्रिय दृष्टिकोण स्वच्छ जम्मू, हरित जम्मू अभियान की भावना और प्रतिदिन शहर आने वाले हजारों तीर्थयात्रियों की अपेक्षाओं के अनुरूप जम्मू को एक स्वच्छ, संगठित और आतिथ्यपूर्ण शहर के रूप में पेश करने के एक बड़े मिशन का हिस्सा है।

जिला विकास आयुक्त बडगाम ने नाबार्ड सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की

बडगाम, 14 जुलाई: जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) बडगाम, डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट ने आज नए सम्मेलन कक्ष, डीसी कार्यालय परिसर बडगाम में एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिले भर में क्रियान्वित की जा रही प्रमुख

■ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए समय पर क्रियान्वयन, निगरानी और प्रभावी निधि उपयोग पर जोर दिया

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई, जिनमें नाबार्ड और अन्य प्रमुख योजनाओं के तहत वित्त पोषित परियोजनाएं भी शामिल हैं।

यह बैठक सड़क और भवन (आर एंड बी), जल शक्ति, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी जैसे क्षेत्रों में कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए बुलाई गई थी। योजनाओं के विस्तृत सारांश में स्वीकृत कार्यों की संख्या, जारी की गई धनराशि, व्यय और पूर्णता दर सहित प्रदर्शन की स्थिति का खुलासा किया गया। डीडीसी ने बाधाओं को दूर करने और जनता को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के लिए समय पर क्रियान्वयन, सख्त निगरानी और मासिक प्रगति समीक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संबंधित विभागों से क्रियान्वयन और उपयोग प्रमाण पत्र (यूसी) जमा करने में देरी से बचने का आग्रह किया, साथ ही पूर्ण हो चुके कार्यों के भौतिक सत्यापन पर भी जोर दिया।

डीडीसी ने संबंधित अधिकारियों को समुदाय के लाभ के लिए विकास प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने हेतु अन्य विवादों के अलावा वन और राजस्व मंजूरी प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने परियोजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान किसी भी विकासात्मक बाधाओं को दूर करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. बिलाल ने उन परियोजनाओं को पूरा करने के महत्व पर बल दिया जो अपनी निर्धारित समय सीमा के करीब हैं और क्रियान्वयन एजेंसियों से भौतिक और वित्तीय प्रगति को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। कार्यों की धीमी प्रगति से संबंधित चिंताओं की गहन जाँच की गई ताकि कार्रवाई योग्य समाधानों की पहचान की जा सके। डीडीसी ने स्थानीय पर्यटन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के निर्माण कार्य को समय पर पूरा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मिशन-मोड बुनियादी ढाँचे के विकास, पारदर्शिता, दक्षता और सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित करके बडगाम को बदलने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

ब्रिगेडियर उस्मान की जयंती के अवसर पर राजौरी में वीर सैनिक को भावभीनी श्रद्धांजलि देने की तैयारी

राजौरी, 14 जुलाई: राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने आज नौशेरा में ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान की जयंती मनाने की तैयारियों और गतिविधियों की समीक्षा के लिए एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की। इसके अलावा, सीमावर्ती गाँव सरया में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (चरण-2) का शुभारंभ भी किया गया।

उपायुक्त ने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले एक श्रद्धेय युद्ध नायक ब्रिगेडियर उस्मान की विरासत का सम्मान करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि वरिष्ठ अधिकारी ब्रिगेडियर उस्मान को श्रद्धांजलि देने और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए बाल सैनिकों को सम्मानित करें।

उपायुक्त ने अधिकारियों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं को प्रदर्शित करने वाले विभागीय स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। स्थानीय विरासत का जश्न मनाने, छिपी प्रतिभाओं की पहचान करने और राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने के लिए जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने

के निर्देश जारी किए गए।

क्षेत्र की विकासात्मक और आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, उपायुक्त ने अधिकारियों से कृषि और संबद्ध क्षेत्र की गतिविधियों, धार्मिक पर्यटन विशेषकर मंगला माता मंदिर को बढ़ावा देने और सीमावर्ती क्षेत्र में पर्यटन क्षमता का दोहन करने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

युवा पीढ़ी को शिक्षित और प्रेरित करने के लिए, उपायुक्त ने जिला सूचना अधिकारी को क्षेत्र के स्कूलों में ब्रिगेडियर उस्मान के जीवन और बलिदान पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने इस आयोजन में पूर्व सैनिकों, रक्षा बलों और शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी पर भी जोर दिया ताकि इस वीर सैनिक को उचित श्रद्धांजलि दी जा सके और एक मजबूत नागरिक-सैन्य संबंध को बढ़ावा दिया जा सके।

■ उपायुक्त ने देशभक्ति कार्यक्रम और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2.0 के शुभारंभ की तैयारियों की समीक्षा की

उपायुक्त ने 1947-48 के भारत-पाक युद्ध में राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के स्मारक पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्रीय नायकों की विरासत को संरक्षित करने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

जम्मू-कश्मीर में ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए मुख्य सचिव ने उच्च स्तरीय बैठक की

श्रीनगर, 14 जुलाई: डिजिटल एकीकरण के माध्यम से छोटे व्यवसायों के विकास को गति देने के लिए, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के सीईओ के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए ओएनडीसी प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने के अवसरों का पता लगाना था।

विचार-विमर्श के दौरान, मुख्य सचिव ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने

और आजीविका के नए अवसर पैदा करने में डिजिटल कॉमर्स की अपार संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने सरल, स्केलेबल मॉडल के साथ डिजिटल पहल शुरू करने और चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करके धीरे-धीरे विस्तार करने के महत्व पर जोर दिया।

डुल्लू ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर को ओएनडीसी की क्षमताओं का उपयोग करके डिजिटल बदलाव को अपनाना चाहिए ताकि छोटे और छोटे उद्यमियों को स्थानीय स्तर पर सेवा प्रदान करने के लिए सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने श्रम एवं रोजगार विभाग को व्यवसायों के एक निश्चित दायरे में एक अति-स्थानीय वितरण प्रणाली शुरू करने का निर्देश दिया।

उन्होंने इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर और अन्य तकनीशियनों जैसे सेवा प्रदाताओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने का भी आह्वान किया, ताकि नागरिक यहाँ आसानी से अपनी सेवाएँ प्राप्त कर सकें।

जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति कुलगाम ने मिशन युवा के तहत 106 नए मामलों को मंजूरी दी

कुलगाम, 14 जुलाई: युवाओं में आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता के विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कुलगाम के उपायुक्त (डीसी) अतहर आमिर खान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति (डीएलआईसी) कुलगाम ने आज महत्वाकांक्षी मिशन युवा योजना के तहत 106 नए स्वरोजगार प्रस्तावों को मंजूरी दी।

डीसी कार्यालय परिसर में आयोजित बैठक में उन प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया, जिनकी जाँच की गई थी और उचित सत्यापन एवं व्यवहार्यता मूल्यांकन के बाद लघु व्यवसाय विकास इकाई (एसबीडीयू) द्वारा अनुमोदन हेतु अनुशंसा की गई थी। एसबीडीयू ने डीएलआईसी के समक्ष प्रस्तुत करने से

पहले प्रत्येक आवेदन का गहन मूल्यांकन किया था।

नए स्वीकृत मामले विविध क्षेत्रों से संबंधित हैं, जिनमें कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ, खुदरा उद्यम, सेवाएँ, लघु-स्तरीय विनिर्माण और अन्य कौशल-आधारित उद्यम शामिल हैं। व्यावसायिक विचारों की विविधता जिले के युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता की भावना और नवीन आजीविका विकल्पों को तलाशने की उनकी इच्छा को दर्शाती है।

इस अवसर पर बोलते हुए, डीसी ने महत्वाकांक्षी युवा उद्यमियों की पहचान, मार्गदर्शन और मार्गदर्शन के लिए एसबीडीयू, बीएचडी और क्षेत्रीय पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मिशन युवा केवल एक योजना नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को स्थायी आय सृजन और आत्म-सम्मान के साधनों से सशक्त बनाना है।

पीएसजी को रौंदकर चेल्सी ने दूसरी बार जीता फीफा क्लब वर्ल्ड कप

फाइनल में 3-0 से मारी बाजी, 32 टीमों ने लिया था भाग

● न्यू जर्सी / (एजेंसी)

चेल्सी ने दूसरी बार फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। टीम ने न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हराया।

इससे पहले, चेल्सी ने 2021 में भी यह खिताब जीता था। इस बार टूर्नामेंट का नया फॉर्मेट था, जिसमें 32 टीमों ने हिस्सा लिया। इसकी शुरुआत 14 जून को हुई थी, जबकि पहले यह टूर्नामेंट 8 टीमों के साथ खेला जाता था।

कोल पाल्मर ने दो गोल किए

चेल्सी के लिए कोल पाल्मर ने दो गोल किए। 22वें मिनट में पाल्मर ने पहला गोल दागा और इसके 8 मिनट बाद उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल किया। पहले हाफ के अंत तक चेल्सी की बढ़त 2-0 हो गई थी। 43वें मिनट में जोआओ पेड्रो ने तीसरा गोल कर चेल्सी को 3-0 की बढ़त दिलाई।

2000 में हुई थी क्लब वर्ल्ड कप की शुरुआत

फीफा क्लब वर्ल्ड कप एक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट है, जो फीफा द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें दुनिया भर की शीर्ष क्लब फुटबॉल टीमें भाग लेती हैं और यह हर साल आयोजित होता है। इसका मुख्य उद्देश्य यह तय करना है कि विश्व की सबसे बेहतरीन क्लब टीम कौन-सी है। इसकी शुरुआत 2000 में हुई थी।

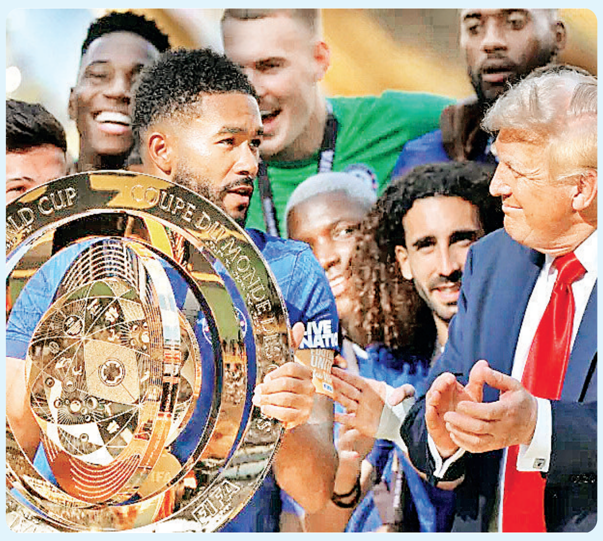

सीजन में ट्रेबल जीतने वाली पहली फ्रांसीसी टीम

पीएसजी इस सीजन में ट्रेबल जीतने वाली पहली फ्रांसीसी टीम बन गई है। इस सीजन में पीएसजी ने चैंपियंस लीग, लीग 1 और फ्रेंच कप का खिताब जीता है। किसी टीम द्वारा एक सीजन में अपनी लीग, कप और चैंपियंस लीग तीन प्रमुख ट्रॉफियां जीतने को ट्रेबल कहा जाता है।

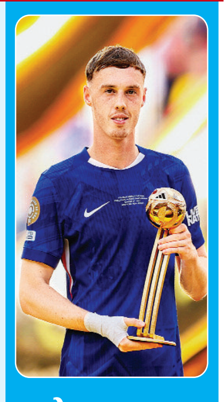

कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल

कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल अवॉर्ड से नवाजा गया, जो टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने 3 गोल और 2 असिस्ट किए। चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला।

ब्रीफ न्यूज

वरुण बने एसआरएच के नए गेंदबाजी कोच

हैदराबाद, आरएनएन। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के लिए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वरुण आरोन को अपना नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। वे न्यूजीलैंड के जेम्स फ्रेंकलिन की जगह लेंगे। एसआरएच ने लिखा, हमारे कोचिंग स्टाफ में एक आक्रामक बॉलर का स्वागत है। भारत के लिए 9 टेस्ट और 9 वनडे खेलने वाले आरोन अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी (150 किमी/घंटा+) के लिए मशहूर रहे हैं। चोटों के चलते उनका करियर लंबा नहीं चल सका। रिटायरमेंट के बाद वे कमेंट्री और विश्लेषण में सक्रिय थे।

मारक्रम-मैथ्यूज जून के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई, आरएनएन। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम को पुरुष वर्ग और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को महिला वर्ग में जून 2025 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। मारक्रम ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 136 रन की शानदार पारी खेली और टीम को पहली बार टेस्ट चैंपियन बनने में मदद की। उन्होंने दोनों पारियों में एक-एक विकेट भी लिया। मैथ्यूज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में 104 रन और 4 विकेट लिए। वे यह अवॉर्ड चार बार जीतने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

झारखंड ने जीता सब जूनियर हॉकी खिताब

रांची, आरएनएन। झारखंड ने सोमवार को फाइनल में ओडिशा को 1-0 से हराकर 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम किया। झारखंड के लिए जिरन सोय मुंडा ने 27वें मिनट में गोल किया, जो टीम की जीत का निर्णायक रहा। वहीं, तीसरे स्थान के मैच में हरियाणा ने मिजोरम को 3-3 से बराबरी पर रोकते हुए शूटआउट में 5-4 से जीतकर कांस्य पदक जीता। मिजोरम के लिए लालडिनपुली ने आखिरी मिनट में दो गोल दागे, लेकिन शूटआउट में हरियाणा की टीम ने अपनी बेहतरीन प्रदर्शन से जीत हासिल की।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी : इंग्लैंड को 2-1 की बढ़त, चौथा टेस्ट 23 से मैनचेस्टर में

लॉर्ड्स में अकेले लड़े जडेजा, लेकिन 22 रन की रह गई कसक

● लंदन / (एजेंसी)

लॉर्ड्स टेस्ट मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 135 रन की जरूरत थी और 6 विकेट शेष थे, लेकिन पूरी टीम 112 रन पर ढेर हो गई। इंग्लैंड ने भारत को 22 रन से हराकर पांच टेस्ट मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त बना ली है।

सीरीज का चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। भारत के लिए रवींद्र जडेजा (नाबाद 61) अकेले जूझते रहे, लेकिन अन्य बल्लेबाज कोई खास योगदान नहीं दे सके। केएल राहुल (39) के अलावा कोई भी बल्लेबाज 15 रन तक नहीं पहुंच सका। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने 3-3 विकेट झटके। स्टोक्स को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

कैप्टन बोले- हमने अंत तक लड़ाई लड़ी...

- मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने कहा, हमें अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। कोई भी टेस्ट मैच इससे ज्यादा रोमांचक नहीं हो सकता था। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन टॉप ऑर्डर से दो बड़ी साझेदारियां नहीं बन सकीं।
- इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स की तारीफ करते हुए कहा, मुझे आज भी वही विश्वास था, जो वर्ल्ड कप 2019 फाइनल में था कि आर्चर कुछ खास करेगा। और उसने किया भी।

ओह, नो... लॉर्ड्स टेस्ट का सबसे दर्दनाक दृश्य, जब मैच के अंतिम क्षणों में गेंद धीरे-धीरे लुढ़कते हुए सिराज के लेग स्टंप की गिल्ली गिरा गई और इसके बाद (इनसेट) घुटनों के बल बैठकर अफसोस करते रह गए सिराज।

अंपायरिंग पर विवाद... गिल गलत आउट, रूट नॉट आउट

फैन्स ने राइफल की बकनर से की तुलना

लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन ऑस्ट्रेलियाई अंपायर पॉल राइफल के फैसलों ने विवाद खड़ा कर दिया। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल को कैच आउट दिया गया, जबकि डीआरएस में साफ दिखा कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी। वहीं, इंग्लैंड के जो रूट को एलबीडब्ल्यू नहीं दिया गया, जबकि बॉल ट्रैकिंग ने दिखाया कि गेंद स्टंप को छू रही थी, लेकिन 'अंपायर्स कॉल' के कारण फैसला बरकरार रहा। इस पर फैन्स ने राइफल की तुलना स्टीव बकनर से की और अश्विन ने कहा कि भारत के खिलाफ गलत फैसले देना अब पैटर्न बन गया है। सुनील गावस्कर और अनिल कुंबले ने भी अंपायरिंग पर सवाल उठाए, जबकि जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि रूट को आउट दिया जाना चाहिए था।

खेल में थोड़ी गर्मी...

इंग्लिश खिलाड़ी ने वॉशिंगटन सुंदर को किया स्लेज और हो गया बंटाधार...

लॉर्ड्स टेस्ट में वॉशिंगटन सुंदर ने गेंद से कमाल किया, 22 रन देकर 4 विकेट लिए और इंग्लैंड को 192 रन पर समेटने में मदद की। लेकिन, बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए। उन्होंने सिर्फ4 गेंद खेली और जोफ्रा आर्चर के हाथों कॉट एंड बोल्ड हो गए। इस दौरान, इंग्लिश खिलाड़ी हैरी ब्रूक ने उन्हें स्लेज करते हुए कहा, तुम्हारी प्लेइंग-11 में जगह नहीं बनती। ब्रूक का ये माइंडगेम शायद असरदार रहा, क्योंकि सुंदर तुरंत अपना विकेट गंवा बैठे।

लॉर्ड्स में नोकझोंक पर ट्रेस्कोथिक बोले...

इंग्लैंड के असिस्टेंट कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक का मानना है कि क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा जरूरी है और लॉर्ड्स टेस्ट में भारत-इंग्लैंड के खिलाड़ियों के बीच हल्की नोकझोंक ने खेल में प्राकृतिक प्रतिस्पर्धात्मक माहौल पैदा किया है। ट्रेस्कोथिक ने कहा, क्रिकेट अब थोड़ा ज्यादा दोस्ताना हो गया है, क्योंकि खिलाड़ी फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट्स में साथ खेलते हैं, लेकिन थोड़ी गर्मी होना अच्छा है। दोनों टीमें जुनून के साथ खेल रही हैं और यह स्वाभाविक है कि कभी-कभी माहौल गर्म हो जाता है।

आक्रामक जश्न पर सिराज पर जुर्माना

लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन बेन डकेट को आउट करने के बाद आक्रामक जश्न मनाने पर मोहम्मद सिराज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत फाइन लगाया गया है और 1 डिमेरिट पॉइंट भी मिला है। सिराज ने डकेट को आउट कर कंधा टकराकर जश्न मनाया, जिसे आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 उल्लंघन के रूप में माना गया। सिराज ने गलती स्वीकार कर ली, जिससे सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। 24 महीनों में सिराज को दूसरा डिमेरिट पॉइंट मिला है। अगर यह संख्या 4 तक पहुंचती है, तो खिलाड़ी पर सस्पेंशन लग सकता है।

किंग्स्टन टेस्ट: दूसरे दिन गिरे 15 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 99/6

वेस्टइंडीज 143 पर ऑलआउट

● किंग्सटन / (एजेंसी)

वेस्टइंडीज-ऑस्ट्रेलिया के बीच किंग्स्टन टेस्ट के दूसरे दिन गेंदबाजों का दबदबा रहा। रविवार को 15 विकेट गिरे। इंडीज पहली पारी में 143 पर ऑलआउट हो गई। जॉन कैंप्बेल ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए बोलैंड ने 3 विकेट लिए। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 99/6 रन बना लिए हैं। ग्रीन 42 रन पर नाबाद हैं। वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ ने 3 विकेट झटके। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 225 रन बनाए थे। उसकी कुल बढ़त अब 181 रनों की हो गई है।

रॉकी फ्लिंटॉफ शतक से चूके

● लंदन/ (एजेंसी)

लंदन के बेकेनहैम में चल रहे अंडर-19 टेस्ट के दूसरे दिन रॉकी फ्लिंटॉफ शानदार बल्लेबाजी के बावजूद 93 रन पर आउट हो गए। उन्हें स्टंप्स से ठीक पहले दीपेश देवेंद्रन ने पगबाधा किया। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 230/5 रन बनाए हैं और वह अब भी भारत के 540 रन के स्कोर से 310 रन पीछे है। कप्तान हमजा शेख ने भी 84 रन की अहम पारी खेली। भारत की ओर से हेनिल पटेल ने 2 विकेट लिए। इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही, लेकिन फ्लिंटॉफ और शेख ने 154 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। इससे पहले भारत की पहली पारी में कप्तान आयुष म्हात्रे ने 102 रन की शतकीय पारी खेली। भारत के लिए अम्बरीश (70) और हेनिल (38) ने भी योगदान दिया। इंग्लैंड के ग्रीन और एल्बर्ट ने 3-3 विकेट लिए।

एमआई न्यूयॉर्क बना मेजर लीग क्रिकेट में चैम्पियन

वॉशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराया

● डलास/ (एजेंसी)

सीजन की खराब शुरुआत के बावजूद एमआई न्यूयॉर्क ने जोरदार वापसी करते हुए मेजर लीग क्रिकेट 2025 का खिताब जीत लिया। डलास के ग्रैंड प्रेरी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मिनी ने वॉशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराया। रुशिल उगारकर ने आखिरी ओवर में 12 रन डिफेंड किए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। वॉशिंगटन को जीत के लिए आखिरी ओवर में 12 रन चाहिए थे, लेकिन रुशिल ने ग्लेन मैक्सवेल को आउट कर मुकाबला पलट दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मिनी ने 180/7 रन बनाए थे।

दुखद... जालंधर में सैर के दौरान अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुए, अस्पताल में तोड़ा 'टर्बन टॉरनेडो' ने दम

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह का निधन

● जालंधर / (एजेंसी)

पंजाब के 114 वर्षीय दिग्गज मैराथन धावक फौजा सिंह का सोमवार को निधन हो गया। वे जालंधर में अपने घर के बाहर सैर पर निकले थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल फौजा सिंह को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने रात में अंतिम सांस ली।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वाहन व चालक की तलाश जारी है। आदमपुर थाने के एसएचओ हरदेव सिंह के मुताबिक, घटना की एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

खेल जगत में शोक की लहर

फौजा सिंह की मृत्यु ने पूरे खेल जगत को शोक में डुबो दिया है। लोग उन्हें न केवल एक महान एथलीट बल्कि प्रेरणा और जज़्बे की मिसाल मानते हैं। जालंधर प्रशासन ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए शोक व्यक्त किया।

दुख से जन्मी प्रेरणा: 90 की उम्र में पहली मैराथन

1911 में जालंधर के ब्यास पिंड में जन्मे फौजा सिंह ने 90 वर्ष की उम्र में पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ पूरी की। परिवार में पत्नी, बेटी और बेटे की मौत के बाद वे गहरे अवसाद में चले गए थे, लेकिन इन दुखों ने ही उन्हें दौड़ की ओर लौटने के लिए प्रेरित किया। 1990 के दशक में इंग्लैंड जाकर उन्होंने नए सिरे से दौड़ना शुरू किया। 2000 में लंदन मैराथन उनकी पहली बड़ी रेस थी।

फौजा सिंह से जुड़े रोचक तथ्य...

- 93 साल की उम्र में उन्होंने 6 घंटे 54 मिनट में मैराथन पूरी की। अपने आयु वर्ग में वर्ल्ड रिकॉर्ड।
- 100 की उम्र में टोरंटो में एक दिन में 8 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए।
- 94 वर्ष की आयु में ब्रिटेन में 200 से 3000 मीटर की दौड़ में कई रिकॉर्ड तोड़े।
- एडिडास के विज्ञापन में डेविड बेकहम और मोहम्मद अली के साथ नजर आए।
- उनकी जीवनी Turbaned Tornado 2011 में ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लॉन्च हुई थी।

2013 में प्रतिस्पर्धात्मक दौड़ से लिया था संन्यास

102वें जन्मदिन से पहले, उन्होंने हांगकांग मैराथन में 10 किमी दौड़ पूरी कर प्रतिस्पर्धात्मक दौड़ से संन्यास ले लिया। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह सेहत, खुशी और चैरिटी के लिए दौड़ना जारी रखेंगे।

'टर्बन टॉरनेडो' के नाम से थे मशहूर

उनकी कड़ी मेहनत और अदम्य साहस ने उन्हें 'टर्बन टॉरनेडो' (पगड़ीधारी तूफान) के नाम से मशहूर कर दिया। फौजा सिंह न केवल दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक थे, बल्कि उन्होंने यह साबित कर दिया कि उम्र केवल एक संख्या है। उनका जीवन आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है।

साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराया

हरारे। हरारे में खेले गए ट्राई सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 141 रन बनाए, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने लक्ष्य को 16वें ओवर में हासिल कर लिया। मैच के हीरो रहे डेवाल्ड ब्रेविस, जिन्होंने 41 रन बनाए।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
347 = 4	138 = 2
357 = 5	378 = 8

शुभांक

दिन	रात
789 = 4	560 = 1
248 = 4	338 = 4

भाग्यांक

1 4 5 0

www.kalyangame.com

संक्षिप्त समाचार

बाबा बेलखरनाथधाम का डीएम एवं एसपी ने किया निरीक्षण

प्रतापगढ़ (धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत)। श्रावण मास के पहले सोमवार को जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी,पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार द्वारा सई नदी किनारे पर स्थित बाबा बेलखरनाथधाम शिव मन्दिर पहुंचकर दर्शन-पूजन कर विधिविधान से जलाभिषेक कर पूजन अर्चन किया गया। उसके बाद मंदिर के पुजारी द्वारा डीएम और एसपी को अंगवस्त्रम्, स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। डीएम और एसपी ने मंदिर परिसर, प्रमुख मार्गो, जलाभिषेक स्थल एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से सम्बन्धित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रावण मास के दौरान किसी भी श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े,इसका विशेष ध्यान दिया जाये। डीएम ने मंदिर परिसर में नियमित सफाई करवाने और पूरे परिसर को स्वच्छ रखने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया। वहीं पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार ने बाबा बेलखरनाथधाम मन्दिर में लगे पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि मन्दिर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबन्द रहे। इस दौरान जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी,पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार द्वारा सई नदी किनारे पर स्थित बाबा बेलखरनाथधाम पर बने पक्के स्नान घाट का निरीक्षण किया और निर्देशित किया नदी में किनारे गहराई में कोई भी श्रद्धालु न जाने पाये इसका विशेष ध्यान दें। डीएम ने ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के अधिशासी अभियन्ता सुजीत राय को निर्देशित किया कि बाबा बेलखरनाथ धाम परिसर में महिला एवं पुरूष शौचालय, सीसी रोड,इण्टर लाकिंग निर्माण, सोलर लाइट, सोलर प्लान्ट 10 केवीए, आरओ वाटर कूलर, नदी के किनारे घाट पर स्टील बैण्ड लगाने हेतु प्राक्कलन तैयार कर पर्यटन विभाग को पत्र भेजवाया जाये जिससे बजट प्राप्त होने पर कार्य को कराया जा सके।

उ प्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने की बैठक

प्रतापगढ़ (धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत)। उ.प्र. उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के ज़िला महामंत्री संजय सोनी के नेतृत्व में मोहनगंज, रानीगंज अजगरा, सगरासुंदरपुर, लालगंज बाजार,जलेशरगंज, रामपुरबावली,रानीगंज कैथौला, सांगीपुर समेत अन्य कई बाजारों में व्यापारियों के साथ बैठक करके जीएसटी पंजीकरण कराने और व्यापारी चेतना हेतु भ्रमण किया गया। जिला महामंत्री संजय सोनी ने बताया कि व्यापारी हित हेतु व्यापार मण्डल के रा/प्रा अध्यक्ष बनवारी लाल 'कंछल' द्वारा केन्द्र,राज्य सरकार से की गई मांग पर सरकार ने जीएसटी के नियमों में संशोधन कर कई नई प्रगतिशील सरल योजनाओं को लागू किया है। जिसे जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी के दिशानिर्देश पर शहर व ग्रामीणांचल में व्यापारी चेतना द्वारा पहुंचाया जा रहा है। व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण हेतु प्रेरित कर लाभों को बताया कि पंजीकृत व्यवसाई राष्ट्र के विकास में प्रथम सहयोगी होता है तथा किसी घटना दुर्घटना में व्यवसाई की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 10 लाख रुपये सहायतार्थ विभाग द्वारा दिया जाता है। जिले अबतक 26 मृत व्यवसाई परिवार को मिल चुका है। सांगीपुर बाजार के व्यापार मण्डल संस्थापक अध्यक्ष स्व.भूपेंद्र सिंह के कोरोना काल में दिवंगत होने पर रिक्त पद पर उनके सम्मान में बाजार के पदाधिकारी और व्यापारी बंधुओं की सर्वसहमति से उनकी सुपुत्री दीक्षा सिंह को सांगीपुर बाजार का व्यापार मण्डल अध्यक्ष चयनित किया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के चार जज देश के अलग-अलग हाईकोर्ट में स्थानांतरित

प्रयागराज, 14 जुलाई (हि.स.)। देश की राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की संस्तुति पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्र को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी को कर्नाटक हाईकोर्ट और जस्टिस विवेक चौधरी व जस्टिस ओमप्रकाश शुक्ल को दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित कर दिया गया है। इस आशय की अधिसूचना सोमवार को केंद्रीय कानून मंत्रालय से जारी की गई। इन चार न्यायाधीशों के स्थानांतरित होने से 160 न्यायाधीशों वाले इस हाईकोर्ट में जजों की संख्या आधे से कम यानि 79 हो जाएगी। ज्ञात हो कि, सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की कोलेजियम ने मई के अंतिम सप्ताह में उक्त सभी जजों के ट्रांसफर की संस्तुति कर सरकार को भेजा था।

एसएसपी अलीगढ़ द्वारा खेरेश्वर मन्दिर एवं आस-पास के क्षेत्र का किया निरीक्षण

अलीगढ़ (राहुल शर्मा/दिव्य भारत)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन महोदय द्वारा श्रावण मास में कावड़ियों श्रद्धालुओं की सुविधाओं, कांवड़ यात्रा के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन व मन्दिर में श्रद्धालुओं की भीड़-भाड़ के दृष्टिगत खेरेश्वर मन्दिर एवं आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि मन्दिर के अन्दर भीड़ एकत्रित न होने दी जाए, श्रद्धालुओं को बेरिकेटिंग लगाकर कतार में दर्शन हेतु प्रवेश कराया जाय जिससे जलाभिषेक करने में कोई परेशानी न हो श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पर्याप्त पुलिस प्रबन्ध किया जाए इस दौरान क्षेत्राधिकारी गभाना श्री संजीव कुमार, थाना प्रभारी लोधा श्री अंकित कुमार एवं अन्य मौजूद रहे।

मदरसे में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में मौलाना गिरफ्तार

मुरादाबाद, 14 जुलाई (हि.स.)। जिले के थाना डिलारी क्षेत्र की नगर पंचायत ढकिया स्थित एक मदरसे में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा की मां ने थाना पुलिस को दी तहरीर में मदरसे के मौलाना पर बेटी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपित मौलाना को गिरफ्तार करते हुए कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह ने सोमवार को बताया कि थाना डिलारी में एक नाबालिग छात्रा की मां ने तहरीर में दुष्कर्म का आरोप लगाया था। तहरीर में बताया गया था कि चार माह पूर्व पढ़ने के लिए ढकिया स्थित मदरसे में नाबालिग बेटी को भेजा था। जहां बीती छह जुलाई की रात्रि जब बेटी मदरसे में सो रही थी, तभी मदरसे का मौलाना रेहान कमरे में आया और उसे मुंह दबाकर दूसरे कमरे में ले गया। जहां उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए तमंचा निकाल कर धमकी देते हुए जबरन दुष्कर्म किया। छात्रा की मां का कहाना है कि आरोपित मौलाना ने उसकी बेटी को धमकी दी थी कि इस घटना के बारे में किसी को बताया या कोई कार्यवाही करने की कोशिश की तो तेरे पिता व भाई को जान से मार दूंगा। पीड़िता के परिजनों का कहना है कि इस घटना के बाद उनकी पुत्री बहुत डर गई थी और गुमसुम रहने लगी थी। 10 जुलाई को जब वह घर आई तो उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। इस मामले में मुकदमा दर्ज करते हुए डिलारी थाना पुलिस ने आरोपित मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मुख्तार अंसारी गैंग का शूटर शाहरुख मुठभेड़ में ढेर

मुजफ्फरनगर, 14 जुलाई (हि. स.)। यूपी एसटीएफ और पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुख्तार अंसारी गैंग का शूटर शाहरुख पठान मुठभेड़ में सोमवार मारा गिराया। वह गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी जीवा गैंग के लिया भी काम करता था। यूपी एसटीएफ की मेरठ इकाई और पुलिस के साथ शाहरुख पठान की बिजोपुरा चौराहे के पास मुठभेड़ हुई। इसमें वह मारा गया। वह खालापार मुजफ्फरनगर का रहने वाला था और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था। उसके पास से कार व पिस्टल बरामद हुई हैं। बदमाश के विरुद्ध लूट व हत्या के कई मुकदमे हैं। एसटीएफ के एएसपी बृजेश कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि एक सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने कार सवार बदमाश की घेराबंदी की थी। इसके बाद बदमाश की तरफ से कई राउंड गोलियां चलाई गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की। गोली लगने से मुख्तार अंसारी का शूटर शाहरुख घायल हो गया। घायल हालात में उसे इलाज के लिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास से देशी पिस्टल सहित तीन पिस्टल व 50 से अधिक कारतूस बरामद हुए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए निर्देश, कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित हो: मुख्यमंत्री

- श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन हेतु मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक
- कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश
- शिवभक्तों के स्वागत को विशेष अवसरों पर हेलिकॉप्टर से होगी पुष्पवर्षा

लखनऊ, 14 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। श्रावण मास के दौरान उत्तर प्रदेश में संचालित हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो, इसके लिए शासन-प्रशासन पूरी सजगता, संवेदनशीलता और सक्रियता से कार्य करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, चिकित्सा, पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने विशेष निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम हों तथा महिला पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से 24x7 निगरानी की जाए। उन्होंने खुफिया तंत्र को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या अराजकता की कोशिश को समय रहते रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटा जाए और उनके खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जरूरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए और शिव भजनों का प्रसारण सुनिश्चित हो, जिससे श्रद्धालु भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव महसूस करें। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के स्वागत हेतु प्रमुख अवसरों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख स्थलों पर चिकित्सा शिविर, प्राथमिक उपचार केंद्र और एम्बुलेंस सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। खाद्य पदार्थों की शुद्धता को लेकर मुख्यमंत्री ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया कि वे खानपान सामग्री की गुणवत्ता और शुद्धता की नियमित जांच सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धा, मयार्दा और अनुशासन का पालन करें। उन्होंने कहा कि सभी शिवभक्त पवित्र नदियों से जल लेकर भोलेनाथ का जलाभिषेक करें और इस दौरान प्रशासन से पूर्ण सहयोग बनाए रखें। राज्य सरकार श्रद्धालुओं की सेवा, सुविधा और सुरक्षा हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

केजीएमयू को सीएम योगी ने दी बड़ी सौगात, 941 करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

- एक युग की चिकित्सा परंपरा और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का प्रतीक है केजीएमयू- सीएम योगी
- मुख्यमंत्री बोले- केजीएमयू ने महामारी में निभाई अग्रणी भूमिका, अब मेडिकल रिसर्च व टेक्नोलॉजी का बनेगा ग्लोबल सेंटर
- सीएम योगी ने केजीएमयू में किया परियोजनाओं का निरीक्षण, वॉर्ड में जाकर मरीजों का पूछा हालचाल
- कोविड से लड़ने व जांच की सुविधा उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बना था केजीएमयू- मुख्यमंत्री

लखनऊ, 14 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने अपने 120 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ते हुए चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केजीएमयू परिसर में ₹941 करोड़ की लागत से निर्मित 7 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने वॉर्ड में जाकर न सिर्फ मरीजों का हालचाल लिया, बल्कि डॉक्टरों से संवाद करते हुए भावी स्वास्थ्य विस्तार की योजनाओं पर भी चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह सिर्फ एक संस्थान नहीं, बल्कि एक युग की चिकित्सा परंपरा और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का प्रतीक है। 120 वर्ष की अपनी इस शानदार यात्रा में केजीएमयू ने अनेक मील के पत्थर गढ़े हैं। यह यात्रा सामान्य नहीं रही इसने पिछली सदी की महामारी से लेकर कोविड-19 जैसी वैश्विक त्रासदी का मुकाबला कर प्रदेश और देश का मार्गदर्शन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह संस्थान महामारी में अग्रणी रहा, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार में सहायक बना और अब टेक्नोलॉजी के साथ भविष्य के लिए तैयार हो रहा है। आज जब 941 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, तो यह महज निर्माण नहीं, बल्कि स्वस्थ उत्तर प्रदेश, समर्थ भारत की दिशा में एक नए युग की शुरूआत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कोविड-19 का प्रकोप प्रारंभ हुआ था, उस समय केजीएमयू प्रदेश का पहला संस्थान था, जहां कोविड जांच की सुविधा शुरू की गई। पहले 100 कोविड संदिग्ध मरीजों की जांच यहीं से प्रारंभ हुई थी। इसी साहसिक और त्वरित पहल से यूपी ने समय रहते महामारी से मुकाबले की रणनीति विकसित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक और न्यू कार्डियोलॉजी विंग का लोकार्पण किया। साथ ही 500 बेड वाले ट्रॉमा सेंटर, जनरल सर्जरी विभाग के नवीन भवन, प्रशासनिक परिसर और पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि यह अपने आप में किसी भी चिकित्सा संस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक साथ करीब ₹1,000 करोड़ की लागत से परियोजनाएं शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कितनी गंभीर हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। स्वास्थ्य क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। देश में एम्स जैसी संस्थाएं जो कभी गिनी-चुनी थीं, आज उनकी संख्या 23 हो गई है। उत्तर प्रदेश भी पीछे नहीं है, 75 जिलों में 75 मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना अब साकार हो रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2024 में ही 17 नए मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हुई है, जिनमें से 13 शासकीय हैं। यह उस परिवर्तन का संकेत है जो प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र में आमजन को राहत देने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार उल्लेखनीय रहा है। पहले डेंगू व इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों का इलाज लखनऊ तक ही सीमित था, लेकिन अब हर जनपद में प्लेटलेट्स और डायलिसिस की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सीएम योगी ने जानकारी दी कि बलरामपुर में केजीएमयू का सेटेलाइट सेंटर स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महानगरीय चिकित्सा सेवाएं छोटे शहरों तक पहुंचे। इससे लखनऊ स्थित स्वास्थ्य संस्थानों पर दबाव कम होगा और मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही उपचार मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने आईआईटी कानपुर के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी पर केंद्रित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की पहल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास हैं कि केजीएमयू और एसजीपीजीआई इस सेंटर से जुड़कर नई रिसर्च करें और भारत को हेल्थ टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर बनाएं।

दिल्ली से बरामद हुई गुमशुदा हिंदू लड़की, आरोपित नाजिम को भी पुलिस ने दबोचा

मुरादाबाद, 14 जुलाई (हि.स.)। मुरादाबाद जनपद की थाना डिलारी पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक गांव से गुमशुदा हिंदू लड़की को सोमवार को दिल्ली से बरामद कर लिया। इसके साथ ही पुलिस ने लड़की को अगवा करने के आरोपित नाजिम को भी पकड़ लिया है। पुलिस ने पीड़िता के मजिस्ट्रेट के सामने आज बयान दर्ज करवाए हैं। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकताओं ने आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में इस लड़की ने कहा था कि वह अपनी मर्जी से गांव में रहने वाले युवक के साथ आ गई है और उसने इस्लाम धर्म कबूल कर लिया है।

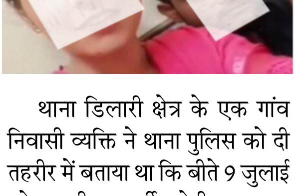

थाना डिलारी क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि बीते 9 जुलाई को उसकी 22 वर्षीय बेटी मुरादाबाद स्टेशन पर अपनी छोटी बहन को छोड़ने गई थी। वहां से आते हुए रास्ते से वह लापता हो गई। उसका मोबाइल नंबर भी नहीं लग रहा था। उन्होंने गांव में रहने वाले दूसरे धर्म के युवक नाजिम पर अपनी बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाया था। इसके अगले दिन आरोपित नाजिम ने एक वीडियो वायरल किया था, जिसमें युवती बोल रही है और वह पास में ही बैठा है। वीडियो में युवती बोल रही है कि मेरे माता पिता अधिक उम्र के लड़के के साथ शादी करना चाह रहे थे। इसलिए वह नाजिम के साथ अपनी मर्जी से गई है। युवती वीडियो में इस्लाम धर्म कबूल करने की बात कही थी। आज डिलारी पुलिस ने युवती को दिल्ली से नाजिम के साथ बरामद कर लिया है। युवती का कहना है कि वह अपनी मर्जी से युवक के साथ गई थी। वह मध्य प्रदेश के जबलपुर से पढ़ाई कर रही है। साथ ही वह इसके साथ दिल्ली के एक अस्पताल में जॉब भी करती है। पुलिस ने आरोपित नाजिम के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है। आरोप है कि नाजिम डरा धमका कर धर्म परिवर्तन कर शादी करने के लिए दबाव बना रहा था। पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि लड़की को बरामद कर आरोपित नाजिम को भी हिरासत में लिया गया है। वहीं लड़की की बरामदगी और आरोपित युवक की गिरफ्तारी की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में थाना परिसर में एकत्र हो गए। पुलिस से युवती को परिजनों के सुपुर्द करने की मांग करते रहे। आज शाम थाना पुलिस ने युवती को वन स्टॉप सेंटर मुरादाबाद भेज दिया।

यूपी में बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

लखनऊ, 14 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए हैं। शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात आदर्श स्थिति में होना चाहिये। उन्होंने निर्देश दिये कि रिक्तियों के सापेक्ष अधियाचन तत्काल भेजा जाए और नियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि छह से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में स्कूल चलो अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे। मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री के लिए 1200 रुपये की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया।

सनातन धर्म की मजबूती के लिए एकता आवश्यक: राजा भइया

कुंडा प्रतापगढ़ (अजीत प्रताप सिंह/दिव्य भारत)। खिदिरपुर में पूर्व प्रमुख वर्तमान जिला पंचायत सदस्य बबलू सिंह बछरौली द्वारा आयोजित बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवड़ियों के विदाई सम्मान समारोह में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया, पुत्र कुंवर शिवराज प्रताप सिंह के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

- सभी जातियों को एक होकर सनातन धर्म की रक्षा करनी होगी
- सनातन धर्म की मजबूती के लिए हमें एक होकर काम करना होगा

राजा भइया ने कांवड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सावन का महीना सनातन धर्म के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि इस महीने में भगवान शिव की पूजा करने से मनुष्य को मोक्ष प्राप्त होता है। राजा भइया ने कहा कि सनातन धर्म की मजबूती के लिए हमें एक होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि सभी जातियों को एक होकर सनातन धर्म की रक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में हम सभी एकजुट होकर भगवान शिव की पूजा करते हैं, लेकिन यह एकता और समर्पण हमेशा बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा भगवान के प्रति पूजा पाठ करना चाहिए और सनातन धर्म की मजबूती के लिए काम करना चाहिए।

राजा भइया ने अमरनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे देश में अमरनाथ जी के दर्शन करने के लिए लगभग 80-90 हजार सैनिक तैनात रहते हैं। अगर इतनी बड़ी संख्या में सैनिक ना हों तो श्रद्धालु सकुशल दर्शन नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश की एक बड़ी चुनौती है और हमें इसका समाधान निकालने के लिए सभी को एकजुट होना होगा। राजा भइया ने कांवड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी यात्रा मंगलमय हो। भगवान शिव की कृपा से उनकी यात्रा सफल होगी। इस अवसर पर, राजा भइया ने कांवड़ियों को इक्यावन हजार रुपये प्रदान की।

इस अवसर पर, बबलू सिंह बछरौली ने कहा कि राजा भइया की सनातन धर्म के प्रति निष्ठा और समर्पण सराहनीय है। उन्होंने राजा भइया को धन्यवाद देते हुए आभार जताया और कहा कि राजा भइया के प्रयासों से सनातन धर्म की मजबूती में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि राजा भइया के नेतृत्व में सनातन धर्म के मजबूती के लिए एकजुट हो रहे हैं।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष बाबागंज विधायक विनोद सरोज, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप पटेल, कुंडा प्रमुख संतोष सिंह, विहार प्रमुख पति रामचंद्र सरोज, बाबागंज प्रमुख पति राम यश सरोज, प्रधान संजय सिंह बछरौली, सुभम सिंह प्रधान रामापुर, संजय जैसवाल, विजय पांडेय, इंद्रदेव पटेल, लकी सिंह बाघराय, सौरभ मिश्रा, लल्ला तिवारी, रवीन्द्र सिंह जमेठी, बब्बन सिंह कुंडा, प्रांजल त्रिपाठी, सुमित तिवारी, नीतीश पांडेय राज, सहित आदि लोग मौजूद रहे।

युवती को ब्लैकमेल करना युवक को पड़ा भरी, युवक की हुई जमकर पिटाई

प्रतापगढ़ (धर्मेंद्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत)। जिले में ब्लैकमेलिंग, अश्लीलता और होटल की लापरवाही से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसने न केवल युवाओं की सोच और गिरते सामाजिक मूल्यों पर सवाल खड़े किये हैं, बल्कि पुलिस और होटल प्रबंधन की भूमिका को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है।

- मुश्लिम युवक द्वारा हिन्दू युवती को किया जा रहा था ब्लैकमेल
- गंभीर हालत में प्रयागराज रेफर

दरअसल दूसरे समुदाय के युवक द्वारा हिन्दू युवती को ब्लैकमेल कर रुपए ऐंठना भारी पड़ गया, युवती के परिजनों और स्थानीय लोगों ने युवक की जमकर पिटाई कर दी, जिससे युवक की हालत गंभीर हो गई। मेडिकल कॉलेज से प्राथमिक उपचार के बाद युवक को प्रयागराज किया गया रेफर।

दरअसल शहर स्थित एक होटल में दिलीपपुर का रहने वाले युवक मकसूद अहमद द्वारा एक हिन्दू युवती को पहले तो प्रेमजाल में फंसाया और उसके साथ होटल में मुलाकात करता।

कुछ समय बाद युवती को अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया, मिली जानकारी के अनुसार तकरीबन ढाई लाख रुपए युवती से युवक ऐंठ चुका था। सोमवार को चार लाख रुपए और ऐंठने के लिए उसे शहर स्थित एक होटल में बुलाया जाता है। युवती होटल पहुंचती है और मकसूद अहमद के द्वारा बुक किए हुए कमरे में पहुंच जाती है। कुछ देर बाद युवती के परिजन भी मौके पर पहुंच जाते हैं।

इसके बाद युवती के परिजनों द्वारा कमरे में ही युवक की पिटाई शुरू कर दी जाती है,कमरे से मारते हुए होटल के बाहर तक उसकी पिटाई की जाती है,स्थानीय लोगों को जब इसकी जानकारी मिलती है कि तब स्थानीय लोगों के द्वारा भी पिटाई शुरू कर दी जाती है। जिससे युवक की हालत गंभीर हो जाती है।

मारपीट की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच जाती हैं, आनन फानन में उसे मेडिकल कॉलेज भेजा जाता है, जहां उसकी स्थिति गंभीर देखते हुये, प्राथमिक उपचार कर प्रयागराज रेफर कर दिया जाता है।

बड़ा सवाल यह है कि शहर और आसपास के ओयो होटलों में युवक युवतियां जाते हैं, लेकिन पुलिस द्वारा कभी भी होटलों की चेकिंग नहीं की जाती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ओयो होटलों में जिस्मफरोशी का धंधा खुलेआम जोरों से चलता है। आखिर ऐसे होटलों पर पुलिस इतनी मेहरबान क्यों है?

मुआवजा

सुधा दुबे

सेवंती बाई नगर पालिका के दफ्तर में धीरे से अंदर आती है-

अंदर आ जाओ। बाबू परते बोला ।

बैठो।

तुमको सांप ने काटा था।

जी साहब।

सांप काटने पर मरने का सरकार की तरफ से मुआवजा मिला था। दो उंगली दिखाते हुए बोला- लाख।

जी साहब।

कितनी बार मर चुकी हो।

तीन बार साहब।

चौथी बार मुआवजा लेना चाहेगी?

जरूरत है साब, जितना मिले, दिलवा दो, खेत खलियान सूखे पड़े हैं दो जून की रोटी भी नहीं मिल पा रही है।

दस्खत करना जानती हो?

नाही साब अँगूठा लगवा लो।

बगल में बैठा बाबू पान की पिक दरवाजे के बगल में थूकते हुए बोला- चौथी बार मारोगे उसे जरा दरवाजा उड़ाका लो, दीवारों के भी कान होते हैं। और दरवाजा बंद कर देता है

जमीन पर बैठी सेवंती बाई हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रही थी।

दूसरा बाबू उसे ध्यान से देखते हुए बोला चलो अब की बार तुम्हारे पति को सांप काटने पर मरने का मुआवजा तुम्हें दिलवा देते हैं।

जी साब मारी दो।

किसी को कानों कान खबर नहीं होनी चाहिए।

कोन्हू नाही साब ,मोडा की सौ।

बाबू ने तेजी से फॉर्म भरा और सेवंती बाई का अंगूठा पकड़ इंक पैड पर दबा ही रहा था की......

एकाएक धक्का लगा... और दरवाजा खुल गया

अरे मोडा तू इतै? सेवंती बाई बोली।

महतारी तू इतै बैठी है और ऊतै।

ऊतै क्या?

बापू को सांप ने डस लिया।

ऐ।

9407554249

युवा मन और मीडिया

कौशल पाण्डेय

मीडिया शब्द ने अब एक बहुत ही व्यापक स्वरूप और अर्थ ले लिया है। इसकी परिभाषा और सीमाएँ अब वह नहीं है जिसे हम तीन चार दशक पहले तक मास मीडिया यानि जनसंचार माध्यमों के रुप में जानते थे। समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो और टेलीविजन के रूप में सत्यम शिवम सुन्दरम वाला सरकारी दूरदर्शन भी अब वैसा नहीं है, जैसा विगत सदी में हमने उसे देखा है। इक्कीसवीं सदी की शुरूआत में जहाँ एक ओर मोबाइल की उपलब्धता बढ़ी वहीं दूसरी ओर एक स्मार्टफोन की स्क्रीन पर वह 'सब कुछ' उपलब्ध होने लगा है, जिसकी हमने दो दशक पहले तक कल्पना भी नहीं की होगी । इस सब कुछ का दायरा क्या है, यह किसी से भी छिपा नहीं है। छोटे बच्चों तक की कक्षाएँ स्मार्ट हो रहीं हैं। इसे दूसरे शब्दों में हम आभासी दुनियां का भी नाम देते हैं। लोग किताबों को बीते दिनों की बातें होने की भविष्यवाणी कर रहे है। बस्ते का बोझ हल्का होता जा रहा है। मोबाइल चलाते बच्चों को देख-देखकर माँ-बाप खुश हैं , लेकिन स्मार्टफोन और इंटरनेट के माध्यम से बच्चों को वैश्विक बनाने के खेल में, हम जो कुछ उन्हें दे रहे हैं और समय रहते उसे सीमित नहीं किया गया तो उसके भयावह परिणामों को हम आज तेजी से बढ़ते हुए बाल अपराधों के रूप में देख रहे हैं । इस जादुई खिलौने की उपयोगिता तभी तक है, जब तक कि यह शैक्षिक और ज्ञान-विज्ञान की बातें करे। कुछ हद तक मनोरंजन भी ठीक है, लेकिन यह युवाओं और किशोर होते बच्चों को वह सब कुछ उपलब्ध करा रहा है जो सामाजिक और नैतिक दृष्टि से तो गलत है ही कानूनी दृष्टि से भी उसे देखना वैध नहीं है। दुःखद पक्ष यह भी है कि तमाम प्रयासों के बावजूद समाज और सरकार इसे रोक नहीं पा रहा है।

सोशल मीडिया की आज समाज और खासकर युवाओं के बीच इतनी गहरी पैठ हो चुकी है कि अब उन्हें हमसे दूर रख पाना सम्भव नहीं है। देश का हर युवा चाहे वह शहरी क्षेत्र का हो या फिर ग्रामीण क्षेत्र का एक दिन में अपना काफी अच्छा-खासा और कीमती समय सोशल मीडिया पर बिताता है। यह समय अगर शिक्षा और ज्ञान-विज्ञानं के लिए नहीं है, तो इसे मानव पूँजी की एक बहुत बड़ी बरबादी के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके प्रभाव ने युवा पीढ़ी को किताबों के साथ-साथ अपने पारिवारिक जनो से भी काफी दूर कर दिया है। कल्पना कीजिये कि भविष्य में वह युवा पीढ़ी कैसी होगी जो न तो किताबों से जुडी होगी और न ही अपने घर-परिवार- समाज से। आज की युवा पीढ़ी सूचना से तो जुड़ी है पर ज्ञान से कोसों दूर। पीढ़ियों का अंतराल बढ़ा है ' संयुक्त परिवारों का चलन प्रायः समाप्त हो गया है। बढे-बूढ़ों के दुर्लभ अनुभवों से युवा पीढ़ी वंचित हो रही है।

इसका एक दूसरा पक्ष भी है, जिसे नकारना कतई सम्भव नहीं है । सोशल मीडिया हमारी सोच से परे इतना तेजी से आगे बढ़ रहा है कि अगर हम इसके साथ नहीं जुड़े और कदम से कदम मिलाकर नहीं चले तो समय हमें काफी पीछे छोड़ देगा। आधुनिक जीवन में सूचनाओं का महत्त्व भी कम नहीं है। शायद यही कारण है कि कुछ शर्तों के साथ सेना जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी सोशल मीडिया से जुड़े रहने के लिये स्मार्टफोन के उपयोग की अनुमति दी गई है। सेना में देश के युवाओं की अच्छी-खासी भागीदारी है। देश का हर सरकारी विभाग अपनी सेवाएं देने और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों का भरपूर उपयोग करता है। यहां तक कि किसी भी सरकारी नियुक्ति और सेवाओं का लाभ लेने के लिए ई-मेल या वेबसाइट का ही सहारा लेना पड़ता है। इन अत्याधुनिक माध्यमों का उपयोग न कर पाने वाला युवा आज अशिक्षित की श्रेणी में गिना जाता है। ऐसे में भला कौन अपने को अशिक्षित कहलाना पसन्द करेगा। यदि समय रहते युवा अपने को इन माध्यमों से रचनात्मक रूप में जोड़ ले तो एक बेहतर कैरियर और सुनहरे भविष्य के द्वार अपने आप खुलते चले जाएंगे। बात करते है सबसे पुराने जन संचार माध्यम समाचार पत्रों की। समाचार पत्रों ने देश की आजादी और जनमानस की सोच बदलने में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाचार पत्र अपना प्रभाव उन्ही स्थितियों में छोड़ पाते हैं, जहां भाषा को सर्वोत्तम टूल यानि उपकरण के रूप में प्रयोग करने की कला समाचार लिखने वाले को आती हो। यह कला जन्मजात न होकर अभ्यास और अध्ययन से प्राप्त की जाती है। भाषा एक ऐसी ताकत है जो कि जनसंचार माध्यमों में सफलता और शिखर तक पहुंचने में सबसे ज्यादा मदद करती है। समाचारों का लेखन कुछ प्रश्नवाचक शब्दों का सटीक उत्तर मात्र है। क्या, क्यों, कहाँ, कब, कैसे, किसके द्वारा का उत्तर एक सम्पूर्ण और प्रभावी समाचार का आधार है। इसके साथ दिया गया घटना या आयोजन का छायाचित्र समाचार को जीवन्तता प्रदान करता है। समाचार पत्रों की ताकत का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि आजादी के आंदोलन में समाचार पत्रों के ध्येय वाक्य किस तरह के होते थे-

खींचो न कमानों को
न तलवार निकालो
जब तोप मुकाबिल हो
तो अखबार निकालो ।

आजादी के आन्दोलन में देश की विभिन्न भाषाओं के युवा पत्रकारों की एक शानदार भूमिका रही। शहीदे आजम भगत सिंह ने कानपुर में छिपकर रहने के दौरान गणेश शंकर विद्यार्थी के समाचार पत्र 'प्रताप' में पत्रकारिता की। आज जनसंचार माध्यमों में संभावनाओं के तमाम द्वार खुले हुए है। टी.वी. प्रस्तोता, एफ.एम. रेडियो में आर.जे. और वृत्तचित्रों के लिए लेखन जैसे कार्य भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं। लाखों युवा इन माध्यमों में नाम कमा रहे है। इन माध्यमों का महत्त्व और इनकी उपयोगिता कभी भी कम होने वाली नहीं है।

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ यूँ ही नहीं कहा जाता है '

मो 9532455570

जरूरी है पढ़ाई के साथ रंगमंच

अभिनव पाण्डेये

इसे सामाजिक विडम्बना ही कहा जाएगा कि आज भी हम बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिये पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं करा पाते हैं। यह लोकतन्त्र की प्राथमिक आवश्यकता है और हमारा राष्ट्रीय धर्म भी। आज बच्चों को स्कूलों में हर विषय की शिक्षा देने का प्रावधान है , जिसमें संगीत, नृत्य, चित्रकला,खेल-कूद और कम्प्यूटर जैसे विषय सम्मिलित हैं। इन विषयों के लिये स्कूलों में अलग से शिक्षक भी हैं और अध्ययन की सुविधा भी। परन्तु एक विषय की ओर अभी तक विद्यालयों में ध्यान नहीं दिया जा रहा है , वह है पंचम वेद के नाम से जाना जाने वाला नाट्यशास्त्र यानि रंगमंच और रंग कर्म। इसे आसान बोलचाल की भाषा में नाटक या थियेटर भी कह सकते हैं।

मनोवैज्ञानिकों और समाजशास्त्रियों के अनुसार बच्चों के सर्वांगीण विकास में रंगमंच का एक बहुत बड़ा योगदान है। यही वह माध्यम है जिसके द्वारा बच्चा एक बड़े समुदाय के साथ जुड़ सकता है। जन सामान्य के सामने अपने को प्रस्तुत करने की उसकी झिझक दूर होती है और उसकी वाक शक्ति का भी विकास होता है। उसके अंदर समूह में कार्य करने के साथ ही नेतृत्व की क्षमता भी विकसित होती है।

शिक्षा में रंगमंच की अवधारणा कोई नई बात नहीं है। इसकी आवश्यकता का अनुभव सर्व प्रथम यूरोप में किया गया । जहां सन 1776 में मैडम जेनेसिस ने ' थिएटर आफ एजूकेशन ' की स्थापना की और बच्चों को प्रशिक्षित करके नाटकों का मंचन किया। इस प्रकार रंगमंच को शिक्षा में लाने की शुरूआत हुई।

हमारे देश में भी समय के साथ इसकी आवश्यकता महसूस की गयी। सन 1965 में शैक्षिक रंगमंच की शुरूआत हुयी किन्तु यह प्रयास मात्र चचाओं और गोष्ठियों का विषय बन कर रह गया। वर्ष 1980 के बाद संगीत नाटक अकादमी,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और भारतेन्दु नाट्य एकेडमी की ओर से किये गये प्रयासों से कुछ चेतना तो आई पर वह अपना कोई स्वरूप नहीं बना पाया।

बच्चे किसी भी देश के भविष्य होते हैं। बचपन से ही यदि उनमें रंग संस्कार पड़ जायें तो यह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। इस माध्यम से बच्चों में कल्पना शक्ति,वाक्शक्ति,अनुभूति प्रदर्शन,अभिव्यक्ति की क्षमता,चलने फिरने का ढंग,नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तिगत कौशल का विकास होता है। रंगमंच बच्चों को जिम्मेदार बनाता है। उनमें अनुशासन के साथ साथ समयबद्धता के गुण लाता है। यही वो तत्व हैं जो लोकतन्त्र की नींव हैं और बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं परन्तु यह देखकर दुख होता है कि इस विधा का जितना लाभ बच्चों को मिलना चाहिये उतना लाभ बच्चे उठा नहीं पा रहे हैं। मात्र गर्मी की छुट्टियों और विद्यालयों के वार्षिक उत्सवों तक बाल रंगमंच को सीमित करके कहीं हम उनके विकास में बाधक तो नहीं बन रहे हैं? यह एक चर्चा का विषय है।

एक बाल रंगमंच प्रशिक्षक के नाते यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि जो नाटक बच्चों के लिये मंचित किये जाते हैं,उन्हें बच्चे बड़ी ही रुचि से देखते हैं।

यदि नाटक बच्चों की मानसिकता को ध्यान में रखकर लिखा गया है तो बच्चों पर उसका प्रभाव पड़ेगा ही,क्योंकि बच्चों में अनुकरण की अद्भुत शक्ति होती है । दृश्य एवं श्रव्यझ्रदोहरा माध्यम होने के कारण इसका प्रभाव भी दोहरा होता है। वर्तमान समय में व्यक्ति , परिवार और समाज की व्यस्तताएं कुछ ज्यादा ही बढ़ गयी हैं , जिसके कारण कदम-कदम पर भटकाव बढ़ रहा है।

सामाजिक परिवेश प्रदूषित सा हो रहा है। टेलीविजन और इण्टरनेट संस्कृति का दुरुपयोग हमें अपसंस्कृति की ओर ले जा रहा है। इसका प्रभाव बच्चों पर कुछ ज्यादा ही पड़ रहा है। ऐसे में बाल रंगमंच जैसे सार्वजनिक और सशक्त माध्यम की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है।

बच्चों की इसमें सीधी सहभागिता होने के कारण बच्चों में आत्मविश्वास,सृजनात्मक क्षमता,संवेदनशीलता और टीम वर्क की भावनाएं स्वतः ही जागृत हो जाती हैं। अपनी वाक्शक्ति के प्रदर्शन से वे आत्मविश्वास से भर जाते हैं। कभी-कभी यह भी देखा गया है कि कुछ ऐसे बच्चे जिनमें हकलाहट की समस्या थी थियेटर ज्वाइन करने के बाद उनकी समस्या खतम हो गयी। उनमें खोया हुआ आत्म विश्वास वापस आ गया। ऐसे बच्चों में एकाग्रता और स्मरण शक्ति भी बढ़ती है। उनमें एक आंतरिक अनुशासन आता है। यह जागरूकता उन्हें अपने समय और परिवेश के साथ सीधे जोड़ने का काम करती है।

एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि बच्चा 6 वर्ष की आयु तक 40 प्रतिशत और 18 वर्ष की आयु तक 80 प्रतिशत संस्कार ग्रहण कर लेता है और ये संस्कार उस बच्चे के साथ जीवन भर चलते हैं। केवल 20 प्रतिशत संस्कार ही आगे जुड़ते हैं या परिवर्तित होते हैं।

बच्चों द्वारा खेले जाने वाले बाल मनोविज्ञान पर आधारित नाटक ही सही मायनों में बाल रंगमंच कहलाता है। जटिल से जटिल विषयों को भी रंगमंच के माध्यम से आसानी से समझाया जा सकता है। बाल रंगमंच के विकसित न हो पाने का एक कारण और भी है कि अधिकांश माता - पिता रंगकर्म को पढ़ाई से अलग मानकर उसे पढ़ाई में बाधा मानते हैं। सारा माहौल पढ़ाई और कैरियर पर ही केन्द्रित रहता है। ऐसे में रंगमंच जैसे माध्यम को समझने या अपनाने की न तो कोई इच्छा होती है और न ही इसके लिये अलग से कोई समय।

बाल रंगमंच का व्यापक और प्रभावी विकास तभी हो सकता है जब इसे स्कूली पाठ्यक्रम और शिक्षा से अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए। इसकी उपादेयता को स्वीकार तो सभी करते हैं पर शासन द्वारा इस दिशा में कोई प्रयत्न न किये जाने के कारण बात आई-गई रह जाती है।

विगत ढाई - तीन दशकों से बाल रंगमंच के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। जागरूकता भी आई है पर यह केवल कुछ बड़े शहरों तक ही सीमित है। यदि बाल रंगमंच की संभावनाओं को कुछ अधिक व्यावहारिक आधार मिले तो इसका विकास निश्चित ही सम्भव है। इसके लिये शासन,विद्यालय,अभिभावक तथा रंगकर्मियों को मिलकर कुछ ठोस सामूहिक प्रयास कर अपने दायित्व निभाने होंगे।

संपर्क -9999137513

प्रतिक्रिया

कहानी उस दिन के बाद

जयराम सिंह गौर

हाल ही में प्रतिष्ठित कथाकार और बाल साहित्यकार कौशल पांडेय की दिव्य भारत के साहित्य पेज पर दो भागों में प्रकाशित लंबी कहानी

ह्य उस दिन के बाद ह्य पढ़ी ' एक लंबे अंतराल के बाद ग्रामीण परिवेश की कहानी पढ़ने को मिली। आज के कथाकारों ने लोक जीवन पर आधारित कथा लेखन से बहुत दूरी बना रखी है या यह भी कह सकते हैं कि वह विषय उन लोगों के लिए अछूत जैसा है। यह एक तरह से लोक-जीवन के प्रति घोर अन्याय है।

आश्चर्य तो तब होता है जब ग्राम्य परिवेश से आए कथाकार ग्राम्य जीवन को दरकिनार करते हुए अपने को संभ्रात शहरी होने का दावा करते हैं। कौशल पांडेय की कहानी ह्य उस दिन के बाद ह्न यह आश्वस्ति देती है कि अभी ऐसे कथाकार हैं जिनके हृदय में आज भी गाँव बसता है।

यद्यपि कहानी में और भी पात्र हैं पर कहानी विधुर रामू सुकुल और शंकर गुरू की विधवा विद्या भौजी के आस-पास घूमती है। रामू सुकुल कचहरी में पेशकार हैं और स्वभाव से मक्कार हैं, कचहरी की सभी ऐय्यारियां उनमें कूट-कूट कर भरी हैं। गाँव में जब भी आते हैं अगर उन्हें मालूम हो गया कि दो भाइयों के बीच मनमुटाव है तो वह उनके बीच दुश्मनी पैदा करने से नहीं चूकते हैं , ऐसे हैं रामू सुकुल।

विद्या भौजी का विवाह अधेड़ शंकर गुरू से होता है जो कैंसर से पीड़ित होकर जल्दी ही मर जाता है। विद्या भौजी अभी भी बहुत सुंदर हैं, उनकी जवानी भी अभी शेष है। उनके एक जवानी की दहलीज पर पांव रखती लड़की उमा और एक लड़का शेखर है। विद्या भौजी की नारी की सभी मानसिक और भौतिक इच्छाएं अभी पूरी तरह से जीवित हैं। रामू सुकुल भी विधुर हैं, जब वह विद्या भौजी को देखते हैं तो उस पर मर मिटते हैं और विद्या

भौजी को एन केन प्रकारेण पटा लेते हैं और विद्या भौजी भी वासना की आँधी में बह जाती हैं ' वह गर्भवती हो जाती हैं, जिसके निराकरण के लिए रामू सुकुल उन्हें शहर ले जाकर उसका गर्भपात करवाता है।

गर्भपात के बाद विद्या भौजी का शरीर भी ढीला पड़ गया था और रामू सुकुल का विद्या भौजी से मन भी भर गया था, अब उनकी निगाह भौजी की जवान होती लड़की उमा पर थी। उसके मन में रहा होगा कि जब इसकी माँ से मेरे संबंध हैं तो इससे तो संबंध बन ही जाएंगे, इसी विश्वास में उसने उमा को पकड़ने की कोशिश की तो उमा ने अपनी माँ को बता दिया, यह सुनते ही विद्या भौजी के अंदर की माँ जाग उठी और वह रामू सुकुल को मारने के लिए हंसिया लेकर उसके घर पहुँच जाती है, लेकिन वह घर में नहीं मिलता है और वह सदा के लिए गाँव छोड़ कर चला जाता है।

ह्य उस दिन के बाद ह्य घटनाओं पर आधारित एक अच्छी कहानी है। इस कहानी को घटना प्रधान कहानी भी कह सकते है। घटनाओं की बुनावट ही इस कहानी की जान हैं। लगता है कथाकार ने ग्रामीण जीवन को बहुत गहराई से जिया है तभी तो वह हर घटना का सूक्ष्म निरीक्षण करने के बाद उनको आपस में गूंथ कर इतनी अच्छी कहानी बना पाए। घटनाएं प्रायः सभी देखते हैं पर विरला ही उसे कहानी में बदल पाता है। कथाकर ने उसे बड़े ध्यान से देखा भी और उसे कहानी का जामा भी पहनाया है। कहानी गाँव के बीते दिनों की कहानी है, उस समय के रीत-रिवाजों और चालाकियों को भी कथाकार ने नजरअंदाज नहीं किया है। कथा का अंत भी बहुत अच्छा है और कहानी के शीर्षक ह्यउस दिन के बादह्न को उचित ठहराता है।

कहानी की भाषा आम बोलचाल की भाषा है, जो पाठक के दिल में सहजता से उतरती जाती है। घटनाएं कथानक को कहीं भी बोझिल नहीं बनाती वरन एक के बाद एक आपस में गुंफित होते हुए आगे बढ़ती जाती हैं। कहानी में रोचकता और पठनीयता है जो पाठक में उत्सुकता बनाए रखती है। मेरा अपना एक मत है कि जो रचनाकार पाठक को अपनी

भावभूमि पर उतार लाए वह सफल रचनाकार हैं '

मो. 7355744763

बालकथा

पीहू रानी चली घूमने

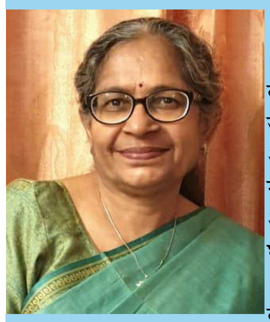

डॉ. रंजना दीक्षित

पीहू रानी बहुत ही प्यारी । सफेद रंग की कबूतरी होने के कारण सबका ध्यान बहुत जल्दी ही अपनी ओर आकर्षित कर लेती। अपनी खूबसूरती के कारण सबकी दुलारी बन गई जिस दिन उनको नहलाया जाता, तब तो और भी लुभावनी लगती। सफेद पंख लिये पूरे घर में फुदक फुदक कर इतराती घूमती रहती।

कुछ दिनों पहले उनके अभिभावक को कहीं घूमने बाहर जाना था अब बड़ी समस्या थी कि पीहू रानी को कहाॅ छोड़ा जाये? उलझन में दिन बीत रहे थे। फिर उनको लगा चलो पीहू को भी साथ लेकर चले । रेल यात्रा बड़ी लम्बी थी, इतनी लम्बी यात्रा पीहू कर सकेंगी क्या? रेलवे अधिकारियों से पूछताछ की गई, उन्होंने सुझाया कि उनके लिये पिंजड़ा बनवाये जाये, पशु-पक्षी डॉक्टर से फिटनेस सर्टिफि केट लेना भी जरूरी। नया नया पिंजड़ा जब पीहू रानी के लिये लाया गया तो वे उसके अंदर बैठने के लिये तैयार नहीं, वे तो पूरे घर में मजे से इतराई इतराई जो घूमती। तीन चार दिन तक बहुत ही प्यार से बहाने से खाने पीने का सामान पिंजड़े में रख कर उनको लुभाया गया और पिंजड़े में बंद रहने की उनकी आदत डाली गई।

यही नहीं, जाने से पहले पीहू रानी को डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर साहब ने उनका अच्छे से परीक्षण किया कि वह ट्रेन में यात्रा कर सकने के लिये फिट हैं या नहीं। पीहू रानी ने अपने अभिभावक को निराश नहीं किया, डॉक्टर ने उनको ह्यफिट फॉर ट्रेवलह्न का सर्टिफि केट दे दिया। अब क्या था, सभी लोग बहुत खुश थे।

जैसे जैसे जाने के दिन नजदीक आ रहे थे, पीहू रानी की भी तैयारियाँ चल रही थी, इतनी लम्बी यात्रा में क्या क्या खाना है? क्या पीना है? तबियत यदि खराब हो जाये तो उनके लिये दवाई का डिब्बा- मेडिकल किट भी तैयार किया गया। उनका बैग भी तैयार हो गया।

आखिरकार जाने का भी दिन आ गया, पिंजड़े में सवार हो चकर मकर करती हुई स्टेशन पहुँच गई। स्टेशन पर भीड़ देखकर थोड़ी परेशान हो गई, बार बार कुछ कुछ घोषणा हो रही थी, उनसे वे और परेशान हो रही थी। थोड़े समय बाद उनकी गाड़ी प्लेटफार्म पर लग गई। राजधानी ट्रेन के सेकेंड ए सी डिब्बे में पहुंच कर थोड़ी राहत मिली पीहू रानी को।

ट्रेन चलने पर तो पीहू रानी को बड़ा मजा आने लगा, ठंडी ठंडी ट्रेन में हिचकोले खाती पीहू रानी चले जा रही थी। ट्रेन में छोटे छोटे बच्चों ने पीहू रानी से दोस्ती कर ली। थोड़ी थोड़ी देर में गुंटर गूं गुटर गूं कर वे अपनी खुशी बच्चों से बॉटने लगी। चौबीस घंटे की लम्बी यात्रा पीहू रानी ने मजे से पूरी कर ली।

पीहू रानी टैक्सी में बैठकर अपनी दीदी के घर पहुंच गई। पिंजड़े से निकलने पर वे खुशी खुशी पूरे घर में डोले डोले फिर रही थी । सभी के साथ बड़े से टी वी में चल रहे कार्यक्रमों का भी आनंद ले लेती। वहाॅ पर उनको ईरा नाम की एक बच्ची मिल गई, जिसने उन्हें पूरा शहर घुमाया। दीदी की ए सी गाड़ी में घूमने का उन्हें चस्का लग गया था। सबको घूमने जाते देख खुद ही पिंजड़े में घुसने का प्रयास करती। पीहू रानी ने ईरा के साथ गर्मी की छुट्टियों का पूरा आनंद लिया और मस्ती कर के वापस पीहू रानी अपने घर दिल्ली आ गई।

मो- 9654105501

विधा: लघुकथा

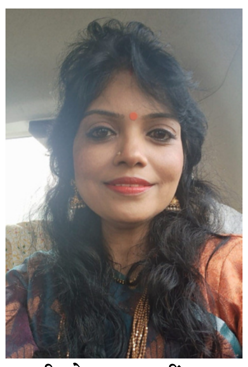

दामाद

बड़ा सा बंगला, नौकर चाकर,तीन मोटर गाड़ियां आई एस अधिकारी और इससे भी अच्छी बात कि लड़का इकलौता है,अब भला इससे अच्छा दामाद तुम्हे कहां मिलेगा अपनी बेटी अवनी के लिए।

सुशीला जी ने अपने छोटे भाई नवीन और भाभी नमिता को समझाते हुए कहा।

परंतु जीजी लड़के से मिलकर अवनी को अच्छा नहीं लगा, काफी घमंड है उसे अपनी नौकरी और पैसों को, अवनी ने जब उसे अपनी हॉबीज के बारे में बताना चाहा तो हंस कर कहने लगा तुम तो कुकिंग पर फोकस करो, मुझे खाना अच्छा चाहिए। रहने दीजिए दीदी ये रिश्ता नहीं हो सकता। नमिता जी ने अपनी बात रखते हुए कहा।

भाभी की बात सुनकर सुशीला जी ने मुंह चढ़ाकर कहा आई एस दामाद मिल रहा है कोई मजाक नहीं, जरा सी जी हुजूरी कर लेगी छोरी तो कोई घिस नी जायेगी।

जीजी हमें अपनी इकलौती पढ़ी लिखी बेटी के लिए एक अच्छा, समझदार जीवनसाथी चाहिए न कि अपने लिए हाय फाय स्टेटस वाला दामाद। अपना फैसला सुनाकर जब नमिता जी ने एक नजर अपने पति की और देखा तो नमन जी ने मुस्कुराते हुए कहा नमिता हम तो हर फैसले में आपके साथ हैं।

प्रस्तुति
डॉ. वर्षा महेश गरिमा
IIT Bombay Powai Mumbai 76

आंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता

पुस्तक समीक्षा

आलोक पुराणिक

डॉ. भीमराव आंबेडकर भारतीय इतिहास के ऐसे विशिष्ट व्यक्तित्व हैं जिनका प्रभाव अर्थव्यवस्था, राजनीति, संविधान सहित अनेक क्षेत्रों में व्यापक रूप से देखा जाता है। धर्मांतरण के विषय को बाबा साहब आंबेडकर ने अत्यंत गंभीरता और विस्तार से संबोधित किया है। प्रो. रतनलाल ने धर्मांतरण संबंधी उनके विचारों को एक संकलन के रूप में प्रस्तुत किया है। ऐसा करके उन्होंने अकादमिक जगत, समाजशास्त्रियों, पत्रकारों और राजनीतिक शास्त्र के अध्येताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस पुस्तक में धर्म और धर्मांतरण से जुड़े विविध पक्षों पर बाबा साहब के विचारों का गंभीर विश्लेषण किया गया है।

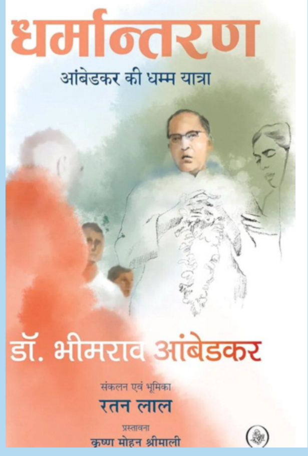

गौरतलब है कि बाबा साहब आंबेडकर ने हिंदू धर्म की आलोचना की और इसके लिए उन्होंने वैचारिक आधार एवं तर्क प्रस्तुत किए। 4 मई, 1936 को दिए गए एक प्रसिद्ध भाषण में उन्होंने कहा था– जिस धर्म में समता, प्रेम और अपनत्व की भावना नहीं है, उस धर्म को मैं धर्म कहने के लिए तैयार नहीं हूं उन्होंने चार वर्णों के चौखटे में हिंदू धर्म को सीमित कर रखा है। इस स्थिति में हिंदू धर्म के इस अनुदार ढांचे में हमारे लिए रहना संभव नहीं है। इसी कारण हमें धर्मांतरण की घोषणा करनी पड़ रही है।

बाबा साहब हिंदू धर्म में समता की कमी को बार-बार रेखांकित करते थे। उन्होंने विभिन्न धर्मों का अध्ययन किया था। प्रो. रतनलाल लिखते हैं कि 1920 के दशक की शुरूआत में आंबेडकर का इस्लाम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण था, क्योंकि उनका मानना था कि इस्लाम में सभी को अपनाने की क्षमता है। किंतु 1929 में उन्होंने भारत में कुछ मुस्लिम नेताओं के व्यवहार में असहिष्णुता का पक्ष देखा।

गीत

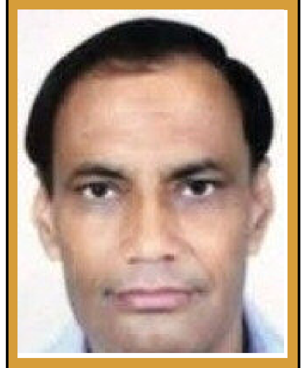

शिव चरण चौहान

बादल नभ में आया कर
शीतल जल बरसाया कर ।
कान्हा की पाती लाकर
राधा को दे जाया कर ।।

बेले की कुछ पंखुड़ियां
चातक को दे जाया कर ।
धरती तुम्हे बुलाए जब
आकर प्यास बुझाया कर ।।

झूले पड़ें बाग में जब
आकर हमें झुलाया कर ।
मत इतना शरमाया कर।
अक्सर मिलने आया कर।।

संपर्क -9369766563

गाँव की साँझ

रोहित यादव

धूप की आखिरी किरणें
बादलों से झाँकती हैं,
जैसे माँ की ममता
थक कर लौटे बेटे को निहारती है।
टूटी दीवारें, अधूरे छज्जे,

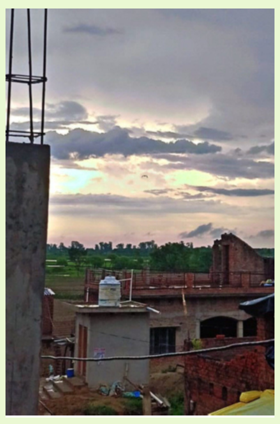

फिर भी इनमें बसी है ज़िन्दगी की मिठास,
जहाँ हर ईंट में छिपी है
किसी मजदूर की साँस।
दूर खेतों की हरियाली
कहती है, यहाँ अब भी उम्मीदें उगती हैं,
और ये गाँव की हवाएँ,
शहरों से बेहतर ज़िंदगी की खुशबू रखती हैं।
टंकी की छाया में
किसी बच्ची का सपना पलता है,
और इस खुले आसमान में
एक परिंदा बेफि क्र उड़ता है।
ये गाँव
सिर्फ मिट्टी, ईंट और पेड़ों से नहीं बना,
ये बना है उन कहानियों से,
जो हर दीवार पर सांसें लेती हैं।

सावन

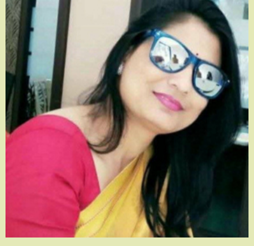

बहुत बरसा झम झम सावन
उमड़ घूमड़ घिर आए घन
चौमासे हरियाली नाचें
बुँदे नाचें छम छमा छम!!

गीत कजरी गाए गौरी
झुलें, जैसे पवन झकोरी
सखियों की फिर हसी ठिठोली
छीन कही ले जाए मन !!

बहुत बरसा झम झम सावन
फसलों की परियां लहराए
हरी चुनर में खिलखिलाए
कर लिहाज फिर सूरज चंदा
बादलों में मुँह छीपाए !!

बहुत बरसा झम झम सावन
उमड़ घूमड़ घिर आए घन
चौमासे हरियाली नाचें
बुँदे नाचें छम छमा छम.

(कृष्णा तिवारी (कृति)
नागदा बिरलाग्राम, उज्जैन)

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए एन-93 डी नारायण नगर लक्ष्मी नगर, दिल्ली से प्रकशित एवं बीएफएल इन्फोटेक लि., प्रेस सी-9 सेक्टर 3 नोयडा से मुद्रित. संपादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी संपादक : आलोक पाण्डेय*, फोन 7701825882, 7905152597, *पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदाई.E-mail : newsdibyabharat@gmail.com